

বর্ণবোধ।

প্রথমভাগ ৷

শ্রীমাধন দাস কর্তৃক প্রশী**ত**ী

কলিকাতা

षाशैबीदलां लादमत्र ३० नवत वानिदक

बीयूक (वरीम) यह एमड

विमात्रज्ञ यदक्ष मुक्तांकिछ।

मकाका ३१४० ।

সূচীপত্ত।

| প্রকরণ | পৃষ্ঠা। |
|---|-------------|
| त्रत किश्व कह्तन | |
| वाक्षम किया इक्षवर्ग | > |
| मध्युक इल तर्न | 3 |
| अववर्ग मः दगाशा कृष्टित छेमा इत्र । | g |
| नाटक्रिक युक्तभात | |
| শাস্ত্রেতিক চিহ্ন সম্প্রাদ্ধিক স্থান | |
| यत राक्षमपूर्व प्राप्तत मनाः | ···· · 3 |
| र्गवर्ग शामात नामा । **** • • • • • • • • • • • • • • • • | |
| प्राप्त क्षेत्र भक्तः । । । । । । । । | |
| प्राक्त होकत असी | |
| THE A SET STATE OF THE STATE OF THE SERVICE OF THE | |
| त्रदूष १ क्षेत्र भवादि | |
| चनाच कामन अनाइ **** | |
| 事業學學可可可可言 | |
| কুষধুক চতুরকার শকা: | |
| बद्ध ६ दूर्व कत नका ३ | |
| अंतर्के अकाक्ष्य शकाः | |
| वैतयुक्त राष्ट्रकत मुक्ताः | * * * * * * |
| প্রতিবার পাঠ 👵 🚥 🕬 🕬 | 3 |

| প্রকরণ | श्रुक्षे । |
|--|---|
| त्रत ६ श्वतूक मभाः | ··· 80 / |
| अ र्ज्ञातः ६ विगर्शयुक्तः भक्ताः | ৪৯ |
| কাছার বুক্তবন ভাকর শকাঃ · · · · · | ···· 875 |
| रत थरः त्रतयूक हजूरकत मकाः | •••• ¢r |
| इल जवः श्रतयुक्त शक्षांकत नकाः | 62 |
| क्ल अवः ऋतंयुक्त क्छ्णकत् भव ाः | 65 |
| ভূপাদি ও পদ্ধতির সহিত মন্তব্যের নাম - | |
| भिष्की भूत्रव श्रीष्ठ | 90 |
| त्रश्या विर श्रह | **** 200 |
| कालिनिशेश | |
| প্রচলিত সংখ্যালাচক শব্দের নাম · · · · | 94 |
| ्राष्ट्रिक्षत्र मार्थि वर्षे व | b 9 |
| 不可ないが National Control of the Cont | ააა ხა |
| ভাষার এক প্রদৈশিক সঙ্কেত **** **** | »» |
| ⊶क्र्हिट्डिं भारत समार समार स्थाप | |
| प्रकाष्ट्रवास गाउँ । | 1.5 |
| भकातरजन गणा गणा गणा गणा गणा | • |
| वकात्रद्रक्र | · · · · > c (c) |
| नक्ति उन्ह | |

বিজ্ঞাপন।

বালক্দিগের বর্ণ পরিচয় হইলে, শব্দ সকলের বর্ণযোআনা বানান ও ফলাভাসে করাণ অভাবিশাক বেহেছু এই
সকলের অভাসি বাতিরেকে কখন লিখন ও পঠনের পীটুভা
হয় না এবং শব্দার্থের ভাবেও অনুর্ত্তি পায় না, যেমন দপ্তা
পকাবাদি গকল নফ সমুদ্যার্থবাসক ও ভালবা শকারাদি
শক্ল শব্দ গপ্তাগবাধক এবং দল্লা নকারান্ত বন শব্দ অর্থাবাচক ও মুর্লনা ৭৬ রিছি বণ শব্দ সকল বিভিন্ন হইরপে
আকার নকার ও পকারাদি ভেদে শব্দ সকল বিভিন্ন হইয়া
ভাবার্থ ভাসমান হয়, অভগ্রব এই সকল শব্দ আপেন হইলে
কবং এই এই বর্ণ সংযোজনে এই এই শব্দ নিম্পান হয়,
অন্যাক্ষরে হয় না ইভাদি বিষয়ে অভাসিবশস্তঃ কিঞ্জিত,
গুলানোকের হাল প্রিনান্য পুস্তক অধ্যাপনা সূচারাজ্বণে
প্রতিত পারে এবং বালকেরাও অপপারাসে ঐ সকল

বাধক দিখোর প্রথম শিকার্গ প্রথমোপবোগী যে সকল
পুজুক প্রচানত পাচেন ভালতে বাশক দিগের শন্ধ ও বর্ণযাজনান শিকা সমাক্রপে সম্পাদন হইতে পারে না
সেকেন্স ঐ কসল পুস্তকে অতি লঘু ও অতাপ্সামন সমান্তি কি একাল পুস্তকে অতি লঘু ও অতাপ্সামন সমান্তি একাল প্রকারে স্থাকা হওয়া কোন প্রকারে
স্থাব নহে, অভএব এই সকল বিবেচনায় এবং বন্ধু সকলের
বিশেষ অন্তর্গাধে 'বর্ণবোধন নামে এই পুস্তক প্রস্তুত করিশাষ্ট্য এইকাণে সকলকার সমাদৃত এবং শিকাসমাজে পরিসুথীত হইবে সমুদ্ধ প্রাম্ম সকল ব্যোধ করিব।

श्चीरवशीयांधव मान।

कनिकांछा। अन्हे स्थासिन अन ३२७७ मांग्र

| শুদ্ধিপ্ৰ | ŧ | |
|-----------|---|--|
|-----------|---|--|

| স শুদ্ধ | শুদ্ধ | পত্ৰান্থ |
|----------------------------|------------------|----------|
| গঢ় | र्गृष् | 20 |
| গ থ | গৃ্থ | · 🔌 |
| इड | रू ए | \$8 |
| इड | মৃত | ∌ |
| পোচ | প্রেঁ†চ | 2,5 |
| উধক | उ चक | ₹0 |
| বাৰৰ | वानान् | २३ |
| শালক | শ্লক | 78 |
| নাগটন | নগাটন | 40 |
| বিচারফ | বিচারক | ং ১ |
| प् रत्र क | যুবর†জ | ওহ |
| कश्लम् यूम | ক্মলনয়ন) | 80 |
| મૂત્ર | યૂર્ય | 89 |
| भुक्न। | भूष्ट्र ना | Š |
| क्षा य ः भक्षाः | ভাকরশ ক ঃ | લ્ફ |
| ्याञ्च | শ্লেচ্ছ | ک |
| ক ক্তৃগত | কুন্দু গত | Q o |
| ম ক্কন্দ | শ্রেচ্ছকন্দ | ¢5 |
| घटछेश्वत | য েউশ্বর | ¢io |
| | | |

শুদ্ধিপত্র।

| | - 4 4-4 | |
|-----------------------|----------------------------|----------------|
| য়ড় ৢয় | বন্ধুর | 53 |
| কৈকুপ্তনাথ | देवकुर्श्वनाथ | '৬২ |
| भ रावश्रो | অমাব ন্তা | 18 |
| শ ভ্য | মৰ্ভা | 9.5 |
| ऋछन | જ खन | b c |
| वशामा | বিপাশা | à |
| জ্ম | অমু | ۲۶ |
| म ह्राक | মহলে ক | 44 |
| পৃতিপত্তি | পিতৃপতি | ₩3 |
| क निरुक्त | ক লক্ষেপণ | त्रद |
| **** | ध्दःश | 20 |
| মেচ্ছপৃতি | <i>নুে</i> ছ্ ৰা তি | ં રુષ્ઠ |
| रेता जी | ह ेश जी | 45 |
| <u>রংখ্যাপাধ্যায়</u> | মুৰোপাধ্যার" | بى |
| বাবাৎ | বাবৎ | ब |
| শস্ত | শ্ | >09 |
| প্রসিদর | প্রতিসর | >66 |
| পরাসর | প্রাগন | à |
| উল্লাস | जिन्नान 🐪 | ~ . |
| | | |

वर्गाना ।

यत किया आह् वर्ग

| ত্য | ঝা | P | न |
|-----|----------|----|----|
| उ | 3 | * | * |
| ঠ | R | এ | ঐ |
| હ | 3 | অ৽ | অঃ |

[२] ताक्षन्किसा इस रुवा

. .

गःयुक्त इन वर्ग।

E5. 1 क इंड इन E I ने है **9** % **3** इ म क **27** 10 M य छ র জ ङ । ७५ उका।

ि 8] मध्युक रम दर्व।

李型啊啊遇! केट के खे छे। के के क का उ इ क क न्त्रा कि कि स्था श त स स ल 阿阿萨阿川

[4]

স্বরবর্গু,সংযোগাক্কতির উদাহর

| স্বর বর্ণ | সংযোগাকৃতি | সংযুক্তবৰ্ণ |
|--|---------------|-------------|
| অ। | † | কা |
| 菱 . | f · | िक |
| 5 7 | *** | 4 |
| ₹ | , K | ₹ |
| উ | د ر | ₹ |
| * | | <i>*</i> . |
| P I | * | ₹. |
| The state of the s | Š | * 5 |
| 1, | ** | ₹ % |
| a | 6 | ্ক |
| ें | टे | टेक |
| હ | ct | . কো |
| 3 | cf | কৌ |
| ' বং | e 4 | **** |
| ড়ঃ | • | 3 |

[9]

যদি ব্রস্বউকার গর শ হ এই সকল বর্ণের সহিত সংযোগ হয় তাহা হইলে (গুরু শু ছ') এই কপ্র কপান্তর হইয়া থাকে, এবং ক কিয়া তকারের সহিত যুক্ত হইলে কথন কখন (হ্ন ড) একপণ্ড হয়। দীঘ উকার রকারের সহিত যুক্ত হইলে (ক) এই কপ হয়। শদি থাকার হকারের সহিত যুক্ত হয় তাহা হইলে (হ্ন) এই কপ হয়।

য বংশর সংযোগাক্তি (j) এই ৰূপ যথা বাকা কাব্যাদি। এবং রকার কোন বর্ণের সহিত যুক্ত হইলে (') এবং (ৣ) এই ছুই প্রকার হয়+রকার বর্ণের পুর্কে থাকিলে (') রেফ হয় এবং পরে থাকিলে (ৣ) রকলা হয় রেফ বর্ণের মন্তকে যায় আর রকলা বর্ণের নিম্ন প্রদেশে থাকে যেমত নির্ভির রহজ্ঞথ ইত্যাদি।

হলবর্ণ মধ্যে যার লাব নাম এবং স্বরবর্ণ মধ্যে ঋ ৯ এই জাটের হলবর্ণের বহিত যুক্ত হইলে ফলা সংজ্ঞা হয়। এবং ঋ৯ ভিনা স্বরবর্ণ হলবর্ণের সহিত যুক্ত

[,4]

সাঙ্কেতিক যুক্তাকর।

क्छ-छन, कु-कन, कम-कन, ग्य-बन, छ क-छन, छ न-इन, छ्य-छन, छ छ-छन, छ छ-छन।

সাঙ্কেতিক চিহ্ন।

(৫) খণ্ডতকার, (২) লুগু অকার, (্) হসন্ত (ঁ) চন্দ্রবিন্দু, (বঁ) শুপ্তাক্ষতি, (৺) ঈশ্বরবোধক।

স্বর ব্যঞ্জন যুক্ত ছাক্ষর শব্দাঃ।

| তা গ | ব্য | ভাৰ | অথ | অপ | অ্র |
|-------------|------------|-------------|------|--------------|-------------|
| W/3 | আদ | ভাগ | आन | অ শ্ম | অ†র |
| আল | আস | ₹ ট | ইভ | है न | \$ 9 |
| है ग | इ इ | क्रम | উক | ্ উপ | कें |
| উজ | ইউ | উঠ | উক্ত | छेम | जे छ |
| वृद्ध | উত | উন | উঘ | উহ | યા વ |
| ঋত | এক | ব্যক্ত | তাৰ | 88 | <i>**</i> |

[7]

হলবর্ণ দ্বাক্ষর শব্দাঃ। ১

| | • | | | | |
|----------------|-------------|------------|--------------|-------|--------------|
| कह : | कड़े | कर्ष | কণ | কত | स्वान |
| কর | कल | কষ | ধ্য | খজ | খট |
| খত . | খর | থল | शंह | SIE | গ্ৰ |
| গড় | গ্ৰ | গত | शम | গ্ৰ | গয় |
| গ্ৰ | গল | খট | ঘন | চক্- | र्व र |
| EI | চয় | চর | টল | ছক | ছগ |
| 3 4 | इम | इ ल | सांहे | अन्ध | জন |
| 59% | জৰ | क्र | জর | জল | ক্ট |
| ব ন্দ্ৰ | ঝর | ঝষ | টক | টল | ठेवः |
| Ber | ডুম | ডর | ট ক | 591 | ज्ल |
| ভট | ভড | ন্তত | তপ | ভাৰ | ভুম |
| ভর | 'হল | থর | দক | দূৰ | a D |
| দ্ র | দর | नट्न् | H. | H. | ' পট |
| ধড় | ধন | ধ্ব | धग | পর | मर्थ |
| ब ्द | ल हे | ন্ত | नथ | न म | নব |
| 43 · | सन् | ্পচ | अं डे | e (c) | পথ |
| भाग . | প্র | পর | প্ৰ | ফট | क् |
| प ल् | दक | বচ' | বট | বড় | ৰণ, |
| | | | | | |

| বদ | বধ | বন | বপ * | ব্ম | ব্য |
|------------|------|------|-------------|-----|----------|
| व ल | বশ ' | বহ | ভট | ডভু | ' |
| 37 | ভর | মথ | মহ | মঠ | ম্ভ |
| ম্দ | মন | ময় | মল্ | মহ | सक |
| युक | যব | ্ৰম | রগ | রণ | রঙ |
| द्रथः, | রদ | রব | नाउँ | লব | লয় |
| শক | अर्घ | भाग | শত | শ্ব | * N |
| শ্র | শ্ল | m) m | ষ্ট্ | স্ট | সম |
| मर 🖫 | হত | रुझ | হর ৾ | रग। | |



अत युक्त शक्तत भकाः।

| 利本 | <u>কা</u> ত | কাছ | কাজ | कार |
|-------------|-------------|--------------|------|--------------|
| क्षान | কাত | কাপ | কাম | কায় |
| কার | কাল | क्रीमें हें. | থাক | খাট |
| ধাত | " शाम | ধান | থাপ | ধাম |
| थांग | थान | গাছ | গাড় | গাচ |
| পাদ | গাধ | शान | গাল | যাত |
| ষাত | বার | ঘাস | 5 | वाव |
| B †q | চাপ | চার | চাল | 874 4 |

| | | F 5. | 7 | |
|-------------|---------|------------|--------------|--------------|
| হার' | *** | [30 |] | w 's |
| | হাট | ছাত | हान | हांश |
| ই ব | 210 | elle | জাত | का नं |
| E 24 | क्रांश | জার | कात | ৰাষ্ট |
| वानः, | ्रेनेक | चार्छ | छा न | वीह |
| ठीम | 'ঠার | टें।क | ডাক | ভার |
| क ीश | তাক | ं व | ভাক | তাড় |
| ় ভাত | ভান . | তাপ | তার | ভাল |
| ভাস | থাক | थान | থাম | থাল |
| म्भा | मांड | नान | माव | नाम |
| मात्र. | . नांत | न्द | الجلنغ | ধান |
| ধান | ধান | ধায় | ধার | নাক |
| नान | मांह | নাট | না থ | नान |
| न भ | भाष्ट्र | - मात | गंल | ্ নাস |
| পাক | পা্থ | পাগ | भारे | भार |
| -भाग | পাত | পাথ | श्रीप | পাপ |
| , भार | পাম | ্ পার | পাল | 57736 |
| ফাঁড় | काम | ক্রাস, | <u>কাক</u> | বাক |
| বাচ | ই জি | বাট | বা ড় | বাঢ় |
| বাণ | বাত | বাদ | राध | বাপ |
| বাম | বার | বাস | বাহ | ভাঁজ |

| ভাগ | बाह | ভাগ | ভাত | ভাৰ |
|---------------|--------|--------------|------------|-------------|
| -ভাম | ভার | ভাল 🖺 | ভাষ | गाय |
| भाग | মাছ | • भाक | मांक | गार्ठ |
| মাভ | भाश | भाष | শান | মাপ |
| भाव | মার | भान | মাস | মাহ |
| ` য ়গ | . या अ | যান | यावं. | য[ম |
| রাগ, | রাজ | র ছ | রাড় | 'রাধ |
| রাব | রাম | রার . | রাল | রাস |
| লাজ | লাট | লাভ | ল প | লাক |
| নাব | ন!ভ | नान | লাস | শাক |
| भाके . | *गिष् | witel | শাত | *11# |
| rether | শাৰ | শার | *। न | মঁ ভ |
| यांडे | ग क | নাজ | শাত | স †ধ |
| मोन | मान | , সাম | সার | শ হ |
| হাস | হাট | হাড় | হাত | হাব |
| হায় | হার | হাল | হাস। | |
| কিণ | কির | কিল | খিট | খিল |
| গির | চিক | र्खवी | চিজ | চিত |
| চির | চিল | क् छ | হিত | हि श |
| ছিম' | ক্তিত | जि न् | বিল | हिन |

| 154 | ভিম | তি ব | 154 | তিন |
|--------------|-------------|-------------|-------------|--------|
| 18 -8 | NA. | मिक | किन | भिव |
| ধিক | নিজ | নিট | बिम | निश |
| নভ | নিম | পিক | পিচ | পিট |
| শিশ | কিক | বিঁধ | বিক | বিশ্ব |
| 'ৰট | विष् | বিদ | বিধ | বিল |
| E | যি ব | ভিক্ | ভিড | ভিত |
| গিত | मिन । | মিষ | विश्व | 阿亚 |
| শিভ | শিক | শিৰ | শিম | শির |
| শিল | <u>শি</u> ষ | সিত | সিঁধ | সিব |
| হিত | रिया . | | | • |
| कीं | কীর | কীল | কীশ | গীত |
| চীন | চীর | नीन | खीव | जीत |
| ভীর | भीन - | मीश | धी ख | ধীর |
| नीक | নীড় | নীড | नीथ | नीश |
| নীর | मील | शीठं | পীত | পীথ |
| भीव | शीय | বীক | বীচ | বীজ |
| বীত | বীর | ঐ ত | ু ভীম | मीकृ |
| नीन | মীর | मील | त्रीम | नीष् |
| नीन | শীত 🐇 | नीन - | नाग. | Alia . |

| | Į | [💝] | * | , |
|-----------------|---------------|------------|-------------|-------------|
| तेश | শীর | भीभ | शैन | ड्रीज १ |
| F | কুত | कुछ | कूष | 7 |
| हर्वे | कुक | कूश | ** | कूड |
| Į B | યુ ં હ | थूम | পুপ | पू त |
| 保企 | 18 1 | প্রস | 97 | 45 |
| | त्रम | बूद | 5 4 | FM |
| 51 | T E | EM. | जू ड | क् हे |
| East. | ŽŪ. | ভূন ভূন | ভূগ | ভূষ |
| কুলা জাল | · · | 24 | ďæ. | ধুম্ |
| থুক | 2. 4 | কুড কুড | পুঁজ | পুট |
| 3 .0 | सूर | | ফুক | क्षे |
| भू ख | পুর | পূৰ | রুট বুট | বুখ |
| क्ष | বুক | বুগ | • • | |
| বুশ | कुक् | क्र | ভূ র | ভূক |
| মুখ | মুগ | মুর | ষুক | যুগ |
| Ãæ | 李章 | क्रुक | क्रुंठ | 40 |
| मुखे | লুঠ | 砂季 | 79 4 | 42 |
| द्भ | स्ड | सूत्र | <u> </u> | इंड ३ |
| कृष्ठ | কুপ | कूण | ফুছ | গ্ৰা |
| গ্ৰ | | भूक | 54 | . FE |
| - • | भूम ि. १ | t] | ~ | |

| | | [38] | - | ı |
|-------------|--------------------|--------------------|-------|---------------|
| 53 | ्कृष्ठे | • | ভূল | <i>ष्</i> र |
| Y | - प ृत् | ভূণ ধূ প | ধুম | , মূ ত |
| सूम े | कृत | পূ ট | পুৰ | ्रभूग |
| পুৰ্ব | ভুক | ভূত | মূক | ্মৃত |
| ৰ্মূল | भृष | যুক ৰূপ | যূথ | यू 🛩 |
| गृ ष | শ্ৰ | ৰপ | ল্ন | नुभ |
| শূক্ | म् त | খ্ৰ | स्ह | सूर |
| न्ह्र न | 'সূর | रक | रूंड | ছুন : |
| ** | ₹ প | कुरम | গৃহ | धक |
| ভূ ৰ | ভূণ | रु छ | ধৃত | मृश |
| ज् श | রু জ | इ ध | ÁQ | <u> </u> |
| মূগ | মৃত | শৃত | मृक | ¥.€ |
| ক্ছ। | কেন | (季*) | ্বেহ | খেট |
| ং খদ | থেয় | গের | পেছ | ধের |
| टाउँ | চেল | ছেদ | ছেপ | েল ম |
| টেশ | টের | ঠেক | ঠের | ्रकेन |
| েচর | তেল' | ভের | দেব | (मन |
| ্দেহ | ধেন 🗒 | নেত | দেম | প্রেট |
| পেয় | 'পেল' | CEPA | ফের | বেঁক |
| বেগ | বেড়্ | বেণ | ্ তেক | (उंग्रे |

| ভেঞ্ | ভেদ | মেক | মেঘ | মেঠ |
|--------|-------------|-------------------------|----------|-------------|
| মেড | মেধ | মেল | মেৰ | (गरू |
| ্যন | রেক | রেপ | রেফ | ্রেল |
| লেখ | লেগ | শেখ | শেপ | C叫称 |
| শেব | শেল | ্শেষ | ্ শেক | শের |
| ्रष्ठे | <i>्</i> इठ | হেন | হেম | (হ্র |
| হের। | टेकन | टिन | देनम | टेमव |
| टेमम | टेशल | বৈণ | देवम | ্ বৈৰ |
| বৈর | टेगव | देश्य। | * | |
| কেক | কোচ | কোঠ | কোণ | কোপ |
| কোল | কোয | েখাড় | খোদ | খোন |
| খেপ | ংখার | খোল | থোস | গোঁজ |
| গোঁড় | পৌক | গোচ | গোছ | त्शक |
| গোড় | त्शाम | গোপ | গোল | গোস |
| যোপ | ঘোর | ঘোল | ঘোষ | बाँचे |
| চোক | চোট | <u>চোড়</u> | চোপ | চোর |
| চোল | ছোপ | ছোল | জোক | জোন |
| জোল | (अव | বোড় | কোর | ঝোল |
| টোপ | টোল | ८५ १७ | ডোম | ঢোল |
| তোক | তে ক | ভোদ | ছোয় | ভোষ |
| | | | | |

| শেক | CUTU | cris | দোক | লো ধ |
|--------------|-------|-------|-------------|-------------|
| 'দোহ | ধোঞ্চ | যোগ | শে ঙ | certe |
| পোট | পোড | CPTH | त्नाच | ক্ষেক্তি |
| CATA | বোধ | ৰোই | বেশুল | ভোগ |
| ভ েৰ | লোট | ভৌর | মোখ | মে চ |
| মোট | মৌঙ্ | বেশ্য | মোদ | মোন |
| শেষ | মাহ | বোগ | যেটি | বেশ্ |
| Cat a | রোক | রে খ | রোপ | রোম |
| রোষ | রোচ | লোক | লোচ | লোণ |
| শেখ | শে(ধ | শোক | শেশ | বোল |
| শেড়ি | শেম | হোড় | হোম। | |
| কৌল | কৌশ | পৌঞ্ | পৌণ | গৌরত |
| চৌর | ভৌল | দৌড় | বৌজ | পৌর |
| পৌষ | কৌন্ত | বৌধ | ভৌছ | ভৌম |
| মৌৰ | বৌৰ | COTTE | শৌচ | (भोज |
| শৌভ | সৌৰ | শৌর। | | |

্ ১৭ <u>।</u> স্বরাস্ত ভোক্ষর শব্দাঃ।

| মন্ত্ৰা | অণু | পৃতি | অধি | ं चंद |
|--------------|--------------|-------------|-------------|--------------|
| गि | অবি | অম; | जमी | অক |
| भदतं | অনি | वरू | प हि | बाद्श |
| চ্ছা | ইতি | इ नि | ইরা | इस्म |
| हेयु | क्रणा | 72 | উকা | উকি |
| छे चा | উচু | छेनि | উড়ী | উড়ু |
| डवी | উবু | উরী | উক্ | উন্ধা |
| हिं। | ऐ क | উরী | উষ্ | ঋঁ তু |
| 制要 | ঝণী | ঋষি | এক | একি |
| aca · | এলা | <u> </u> | - ৪ঝা | ওতু |
| 821 | अटम | ७ न | কচ | কচি |
| ₹ § | কটা | কটি | কটু | কঠী |
| ক ড়ি | কড় । | কণা | কণি | কথা |
| কদা | कनी | কপি | কফী | করী |
| কলা | কশ | কৃষি | কহ | বজা |
| ধটি | খড়ি | খদি | থনা | थनी |
| धनि | থকু | থলি | খসা | ' গছা |
| গঞ্জা | গড়া | গড়ি | গড়ু | গণা |

[54]

| গতি | 1 | श्रीम | গবা | গৰী |
|-----------------|--------------|-------------|--------------|--------------|
| , 51 33. | গ্ৰা | গল | ঘটা | ঘ্ডা |
| वंवि | र्छिव | ह्ये | চজ্য | इन्) |
| ក អ្ | চরি _ | 5₹ * | ह ना | চলি |
| ं ग | हों। | PA | হ ড়ী | ह ली |
| জটা | क्रप् | ঙ্গভূ | कमी | 5 4 |
| कत्। | জবী | ক্সয | ङग्री | अन |
| अयो | क्टी | ঝড়ি | वादग | ढे न, |
| ভঙ্ | ক ভ া | ততি | তথা | . 24 |
| ভধী | ভপু | <u>ত</u> ্ব | তমা | তমি |
| 'চরী | তরু | তলী | থকা | থলী |
| F.SI | प्रसि | मञ् | मक। | सभी |
| मर् | দর) | দরী | मिल | नर्भौ |
| গৰ্জা | ধড়ী | ধনা | धनी | ?ধর: |
| নকী | নধী | नशी | र्माक | न मी |
| ननी | নরী | ननी | পচা | পচি |
| পটি | পটু | পড়া | · পৃতি | পথী |
| 'शमी | পপী | পশ্ব | প্ৰ | পরু |
| পলা | পশু | কুণ} | क्षी | कना |
| ৰগী | ব টু | बट्छे , | বডা | বধু |

| | | [\$\$] | , | |
|--------------|--------------|-------------|-----|--------------|
| বনি | বপা | বরী | बना | वली |
| বশি | বসা ` | বস্থ | বভূ | ं विष |
| ভরা | ভরু | ভ্ৰ | মণি | মতী |
| মধু | মন্ত্ | মৰু | यन | मना |
| मगी | মহ | যতি | যথ) | यश |
| यमि | শ্ ছ | যবে | যমী | রক্সি |
| য়তি | শ্ৰী | রমা | রবি | রস |
| রসী | लघू | লতা | লস | শচী |
| শটা | ना ही . | শনি | সধী | স্টা |
| ग ङ्ग | সভী | म मा | সভা | সম |
| ทล่า | শর্ ী | স্কৃ | সশা | সহ |
| (वं | হরি | र जू | হলা | रुली। |
| | | and the | | |

ত্রাক্ষর শব্দাঃ।

| 4 46 | অগজ | অগত | অগদ | ্ অগম |
|-----------------|----------------|--------------|--------------|-------------|
| र्किल प्रकेश | - অক্তপ অতন | ञ्चल ञानन | অঞ্জর অধর | অটন অধ্য |
| प्रमध | অন্ম | অন্য | अनल | অপথ |
| শপর | অবট | অবল | অবশ | অভর |

| অমত | खम्म | ज नत | ভাষল | अ श्रन |
|------------------|--------------|---------------------|-------------|---------------|
| ं जन्म ग् | ভারম | জনক | অলস | অশ্ন |
| উ ন্ম | ₹हे न | ইতর | क्रम् | উখন |
| উজন | উটজ | উতর | छम म | डे पश |
| উঘর | উধক | ঋষভ | একক | ভারব |
| ঐনত : | હ ંઠન | ও বণ | উর গ | 344 |
| কথন | কটক | ক তর | কণ্ঠ | क्रमद |
| क्रमन | কদ্র | কদল | কপট | कव र |
| ক্ষ্ম | ক্ষল | করক | করট | করভ |
| করম | কলপ | ক্লস | ক্ষণ | খচৰ |
| বজক | খটক | थेन क | খলন | খসন |
| গ গণ | গছন | গণক | গমন | গরভূ |
| গ্রম | গলন | ঘটক | ঘটন | চটক |
| চণক | - চপ্ৰ | চমক্ | - চমর | ছ গণ |
| इपन | জগর | জগল | जध न | ক্ষতর |
| क्रमन | ज्ञश्म | ज रन | জৰস | জমক |
| জন্মন | અગ | छेन क | ডমর | ডরণ |
| "ডলুন | তথ্য | তনয় | ্তপন | ভপস |
| তমস | তলক | सर्व | समक | मञ् |
| म्बन | मर्क | ^{''} 'सम्ब | एक्ष | ধটক্ |

[<>]

| रम | ४वल | ধমক | ধর্ণ | नचन्न |
|--------------|----------------|-------------|--------------|--------|
| नंत | नशंक | नरम | নভগ | নমত |
| मग | নয়ক | নলক | गलम | পটক |
| केल | প্টহ | अवंद | প্ৰস | পতগ |
| তম | পত্ৰ | প্ৰদক | अप्रश | পরব |
| लक् | 李丹 本 | फट्स | कलन | বক্তন |
| ज्ञ . ज्ञ | সচর | ধদ্ম | বদর | বধক |
| ম জ | বনদ | বর্ট | বরণ | বলল |
| म डा | 3 8 4 | ভড়ক | ভৰন | ভরট |
| রণ | ভরত | ঘকর | মগধ | मथम |
| हक | यम्ब | মলন | মলয় | মশক |
| हम | एक्ट | यक्षन | যত্তন | যবস |
| ক | यमक | यमन | ষমল | রচন |
| লভ | द्रा म् | রবণ | রবথ | রভস |
| 44 | রসন | লটক | লপ্ন | লৰণ |
| पक | শকল | শক্ত | শবর | শ্বল |
| (क | শ্যক্ | শমন | শমল | শর্থ |
| गुन | শরক | শরট | শ্রণ | শরভ |
| গভ | শশক , | সগর | সচল | गुक्रव |
| à. | সভত | সতল | गमन | गमन |

| 22 | ٦ |
|-----|----|
| ~ < | _! |

| मक्त्र . | ग कुंश | স্বন | সরক | সর জ |
|-----------------|---------------|------|--------------|------|
| न त्र हे | সরণ | সরল | गर् क | হতক |
| रूनन | क्रवन | হরক | হস্ৰ | |

স্বর মুক্ত ভাক্ষর শব্দাঃ।

| ৰকাল | অ ক†য় | · অধিল | আয়াদিম |
|--------------|---------------|--------------|----------------|
| আশিত | আ শির | ইজিহ | ইরিণ |
| ने निष | कंगान | उ मिछ | উজান |
| ঐশিক | ঐত্বিক | কাকাল | কা ছা ড |
| কাটার | কাতান | কাপাস | কামান |
| কালাপ | কাশার | থাটান | খামার |
| গাবান | চাগান | চালান | জাগান |
| জাবান | <u> গভাল</u> | क राम | হামাক |
| मानान | ধারাট | নাটান | নারাচ |
| পাছাড় | পাতাল | शामान | পাহাড |
| <u>কাটান</u> | বাঁধাল | বাগান | বাচাল |
| বাভাট | বাতাস | বাদাম | বাৰন্ |
| বাসান | ভাঁড়ান | ভাগাভ | ভাবান |
| মাথাল | শা ৰাৰ | ক‡ছিম | কাপিল |
| | | | |

| | [| • 1 | |
|---------------|-----------------|-----------------|-----------------|
| পিশ | ক।লিক | কায়িক | कृष्टिन" |
| াজিক | খানিক | বানিল | नारिक |
| 1লিড | চাটিম | জালিক | ডালিম |
| গবিষ | ত লিক | দাড়িম 🔧 | দারিত , |
| िलिय | ना ष्टिम | নাবিক | न निक |
| াকিম | পাঠিত | পাণিক | পাতিক |
| भागिन | পারিশ | ফাণিত | বাচিক |
| বাজিন | বাণিজ | ব্যতিক | व† मित्र |
| বারিজ | বারিশ | বালিশ | বাসিত |
| गहिक | বাহির | ভাগিক | ভাজিত |
| লাবিত | ভারিক | ভারিট | <u> মার্মিক</u> |
| মারিত | মালিক | মাসিক | মাহির |
| যাজিক | যাচিত | যামিক | রাজিল |
| লাটিম | नानिक | শাণিত | শাসিত |
| <u> বাদিত</u> | সাধিত | न मिल | হারিত |
| কামীল | কারীষ | কালীক | কাশীশ |
| জামীর | বাতীয় | বাপীহ | বারীশ |
| বারীট | বাহীক | <u> तां जीव</u> | माली न |
| কারুজ | ' ঘাতুক | চাতুর | চাণ্র |
| দাতুক | জাতুৰ | ক বুক | তালুক |

| FIFT | गान्ना | बानकू | वा |
|--------|---------|---------|-------|
| AIR | বা পুক | ভাকুট : | जां न |
| * NOTE | মাতৃল | মাধুক | भार |
| मा तक | भागूर ॥ | | |

স্বরাস্ত ত্রাক্ষর শক্ষাঃ !

| | | *, | |
|-------------------|---------------|---------------|----------------|
| अक्श | व्यवस | - अक्टी | ज़ ड़ |
| न्यक्षम् । | ्र महेनि | क्राउँरी | व्यक्षः |
| লপর: | MAY | अवनी | ख्य है |
| শত্রা | चत्रन | অর ণি | ু সর্বা |
| बहार क | জাধড়া | कानथा ' | ভারতি |
| জারণী | <u> পারতি</u> | उड़नी | -डेकर- |
| উপ্দ | উপান্য . | ভ পথি | উপরি |
| अव डी | াক টা | একান্ড | 国本 科(|
| कमना | কর টা | কটকী | क व हैं |
| कत्रवी | কলগী | খপরা | श्रमि |
| নজড | গদরা- | গ্ৰহ | र्ग गब ् |
| भवंकी | घठेम | यत्र भी | छ्ठेक: |
| হপ তা | हम्बो | | म्म क |
| | | • | |

| जन नी | अ श्नी | জনভূ | यहिंगाँ |
|----------------|-------------------------|----------------|----------------|
| তনখা | তনয়া | তরণী | তরকা |
| দর্মা | मग नी | मल नी | स्मभी |
| ধরণী | নখনা | न शं १ | ন গজা |
| নগৰী | নবতী | নুবনী | नवभी |
| নরকী | নরজু | পটলী | কশত ি |
| ৰহ্তি | ভর্স | ভবতী | ভমরী |
| মণ্ডা | মদ্ন | মনসা | মকরী |
| শতধা | শत्र ी | * মনী | শ্রভূ |
| भाननी | স ্ধ্ र " | সর্জ | সরম: |
| সফরী | স রণী | र्वनी । | |
| কাকারি | काकिनौ | কিবাতি | কিরীটা |
| কু চিক: | <u>কুঠা</u> ৰু | কোপনা | কৌমুদী |
| কৌশিকা | খটিকা | খডিয়া | থুরশা |
| গঙ্গারি | গণিকা | গিরিজা | গিরিভু |
| গুটিকা | গৃহিণী | গোমায়ু | গৌরিক। |
| গোত্মী | ঘৃকারি | গৃতাটী | যে চিকী |
| চুটুলা | চাতুরী | চামরী | চিরত। |
| ছাগিকা | अप्रिल। | জ নিতা | ঝিরিক । |
| जि शीया | জিত †রি | জীবিকা | জোনাকী |
| | [1] | • | |

| छेदू व | ্টা করা . | ঠিকানা | ঠেকন |
|---------------------|------------------|---------------|----------------|
| চাকলা | তথাপি | डमा मि | ভাবিষ, |
| ভামাক্ | जिलकी | তুরর্ন? | ভূলিক) |
| তৈলপা | হোড়নী | ংগাপন | - দ্যিত¦ |
| দা রিকা | দিশিষ্ | দীধিতি | मीशनी |
| কু ধিয়া | 'দেশতা | দেবভূ | দেবিক |
| ধনাশা | ধনিক | ধর্ণা 🕐 | भ †तिनी |
| ধীমতী | ধীরতা | নবোঢ়া | নাটিকা |
| নাত্নী . | নিবর) | ' নিবাসী | নীরধি |
| নে ইয়া | লৈধালী | रेनপानी | পটুতা |
| পদাতি | পাকলা | পাখনা | পিশাকী |
| পিয়ারা | পীতিকা | श्रुमिना | পুলোমা |
| 'পুতিকা | পৃথিবী | পেচকী | পোতিক। |
| পোলিকা | ফেণিকা | *বর্ক†রি | ুবটিক; |
| বাভাসা | বিক্সা | বিকাশী | बौगलि |
| বীথিকা | বেণিকা | বেতসী | বোধনী |
| ভবানী | ভবিভা | ভাবিনী | ভাষিনী |
| ['] ভোগিনী | म िता | মধুরা | মণিয়া |
| মাত্রি | बिदिला | মিনভি | মুদিতা |
| রু রকী | मूनली | · মৃগরা | ম্গারি |

[29]

| মেহন | रेमिथली | মোহিনী | ্যাতনা |
|-----------------|------------------|--------------------|----------------------|
| यामदी | গোগিনী | যোষিতা | রুবালা |
| রীতিকা | (ता)मा | রোহিণী | तमीक। |
| ললামী | শাকিনী | ণালাকী | শিখালু- |
| শিশানী | শীলত | শেকালি | देशनानी |
| শোদনা | শাধনা | নামীটা | <u> পারথি</u> |
| पूर्शन ो | স্কুচা ৰু | সেমন্ <u>ত্</u> ৰী | নোণালা |
| হ'লনী | शिरुवर्गे। | | e |

চতুরক্ষর শব্দাঃ।

| ভাকপট | সাজ গর | অনপর | অনব র |
|------------------|---------------|---------------|-----------------|
| ভাশগাত | অ পগম | অ বকর | অভরণ |
| ভাষরজ | আগমন | অ াবটন | অ †ভরণ |
| <u> অব্যূত্ন</u> | উগরণ | উছ্ভন | डे श्रनन |
| छे नश्रन | উত্তরণ | একচর | এক্তম |
| একতর | <u>কত</u> ফল | কতরণ | কদলক |
| করক্ত | কলরব | কললজ | ধ্চন্দ |
| ৠগগড় | চড়কল | हमक न | ह ल मल |
| क्रम श्रम | জলপথ | छे इलन | দম্নক |

[54]

| ধনসদ | नरमन | পরতল | মদকল |
|---------|-------|-------|-------|
| মুদনক | মরকত | যবম্য | রসম্য |
| শততম | শক্মথ | শ্তদল | শশধ্র |
| क्शनन । | | | |

স্বরযুক্ত চতুরক্ষর শব্দঃ।

| অক তব | অকারণ | অকৈত্ৰ | অতিবল |
|-----------|------------------|----------------|--------|
| আভিপর | ज्याम्य न | অধোগত | অনাগত |
| অনাদ্ব | অমুদক | অনুদর | অনুপ্র |
| ক্ষত্ৰেকণ | অগালন | অবিকট | অবিকল |
| অভিনব | অমূলক | অর্বাজক, | অযাচক |
| অয়োগব | আখুরথ | <u> </u> | আজীবন |
| আদীনব | আক্রেশন | অভা জীব | অতিবাদ |
| অতিবেল | স্বতিরেক | অভিরোগ | অবিবেক |
| জাবদিত | ইর চর | ইলার্ড | ইতিহাস |
| উড়নীয় | . উम शान | উপনীত | উপপাগ |
| উপৰাস | উপনাম | उ न्हान | ঋণদান |
| গাদুকায় | ঋতুৱাজ ' | একধ্র | একতাৰ |
| একদুক্ | একপাশ | <u> একারন</u> | এক দেশ |

| উ দরিক | উদনিক | কটকোল | কটুবীজ |
|-----------------|----------|------------------|---------|
| কটুরব | কণজীর | কতমাল | केमाठन |
| কপো <u>হা</u> ভ | ক্বলিত | ক্মনীয় | করতাল |
| क्रमान | ক্রবীর | করভীর | · কলধুত |
| कन(४) ठ | . कलाविन | কাঞ্কল | কাকলাস |
| क्रांकांम्य | कार्यकल | কাবচিক | কামজান |
| কামশ্র | কামসূত | কামোদক | কিসলয় |
| কীল লপ | কুবলয় | কুমারক | কুলনাশ |
| কুলবার | কুলাচার | কুলাহক | क्रवीयन |
| কেরবাল | Carional | কেশ্বেশ | কৈর টিক |
| কোকদেব | কোজাগর | কোলাহল | কোযাতক |
| কৌট লিক | কৌতুকীয় | কৌশ লে য় | খগখান |
| খগাস ন | খমীলন | থ টমল | খুজলান |
| গ্ৰদান | গণাচল | গণাধিপ | গতারাত |
| গদাধর | গবরাজ | গবাদন | গৰাশন |
| গাধিপুর | গিরিঝাণ | গিরিমেদ | গিরিসার |
| গুড়াকেশ | গুণযোগ | গুণীভূত | গৃহমূগ |
| গৃহাগত | গৃহাধিপ | গৃহারাম | গোদোহনু |
| গোপদল | গোবরাট | গৌরবিত | গৌরীপাট |
| গৌশতিক | ঘনত ল | ঘনবাস | ঘ্নামল |

| घरनाश्रन | থনসার | ঘৃতকর | ঘৃত পূ: |
|----------------|------------------|------------------|------------------------|
| ্ ঘোরতর | চর চর | ठल ठल | চামীকঃ |
| ঁ চোরাঘাত | इं छे कल | ্ ছা রাকর | জড়ীভূ ং |
| জনবাদ | জয়পাল | জ র†যুজ | জলক ব |
| : জলপ। न | জলবাহ | জলেশয় | জহানক |
| জাতৰপ | জাতিকোশ | জাতিসার | ज ंग्य <i>ः</i> |
| জায়াজীন | জালপাদ | জীবধন | <u>की वन</u> द |
| জীবাধান | জুজ্বান | টাকশাল | তমোত্ন |
| তমোমণি | তমোহর | তারাপথ | তারাপীভ |
| তিরে†হিত | जि त्नीहर | তীরগত | তৈলকার |
| দ্ধিচার | দ্ধিশার | দ হ্নীয় | मीटमामन |
| দায়ভাগ | দিক্পাল | দিগ্গজ | দিনক্র |
| দিবাভীত | দিব মণি | मी श्रमान | ছ্ রারুহ |
| ছ্র সদ | দুরীভূত | • দুট্ফল | <u> </u> |
| দেবগৃহ | দেবদূত | দেবপথ | দেবলোক |
| দেবর জ | मिल्या ल | দৌবারিক | ধনাগার |
| <u>ৰাতুভেদ</u> | ধাতুরাজ | धूनीनाथ | ধূপায়িত |
| <u>লাগটন</u> | ন্বশাক | নভোল য় | নমসিত |
| न भिर्धिय | नामनीय ' | নিপাতন | নিব রণ |
| निद्यां जन | নিয়মিত | নিক্লপম | नौताजन" |

কুলামিক দীলতাল टेनकट जम टेनकरबग्न পদাতিক পটবাস পদাঘাত পচমান পারিজাত পাণিভুক্ পাথোধর পারাবার পুটোদক <u> পীতলোহ</u> পীতরাগ পীত্রার পুরীষম পুরাণগ পুরোগম পুনরায় পুঙ্গনীয় পুগফল পৃষাতক পোতবাহ পৌরোগব পৌরাণিক পোতাধান ফলপুর বনায়ুক্ত বধনীয় বর্সন ফলাফল বরীয়ান বলিমুখ বাজীকর বাণিজিক বিচারক বাতপোথ বিকাসত বিগলিত বিজিগীয বিনায়ক বিনাশিত বীজক্লহ বীজোদক বীরপান বীরাসন বীরদেন বু্পতাত বুধবার রুকে দর **ৰুধসান** বেদাধিপ বৈক্তিক বেলাকুল **व्यक्ति** निष् देवजांशक বোধাতীত ৰোখনীয় ভগীরথ ভবদীয় ভীমদেন ভাববোধ ভানুবার ভীমহাস ভূতিকাম ভুরভার ভূতনাথ ভূরিগম ভোজনীয় ভোগরাগ ভোগপাল মধুদীপ ভৌমজল ম্থুরেশ মধুদুত মহাকাল गर दिश्व মহাতল মহাদেন

| মহাহাস | गाननीय | মানসিক | मानशैन |
|-----------|----------------|-----------------|----------------|
| ুমানুষিক | মুপ্রশোষ | মুখ মূন | মুখানব |
| মূলাধার | মৃগর জ | মেঘজাল | মেঘদীপ |
| ্মেষপাল | মৌর জিক | যথাকাম | গথাজা ত |
| यवन ल | यमकीष्ठ | যমপুর | যাচিত্ৰক |
| যাতুধান | - योटमानाथ | रानगूश | যুগ প্ |
| যুবর জি | যোগপীঠ | যো†গবল | <u>থোগাসন</u> |
| ग्रङकील . | রহপাদ | রবিনাথ | রমণীয় |
| রাজকর | র†জফল | রাজশাক | রামদূত |
| রামশ্র | রোমকূপ | <u>রোহিতেয়</u> | नघीशान |
| লঘুকায় | লতামণি | नांडकत | লালসীকু |
| লেখনিক | লেখনীয় | লোভনীয় | লোমকূপ |
| লোহকার | শতধার | শ্তপাত | শতানক |
| শরজাল | শাকুনক | শীখাপুর | শারদিক |
| শিখাচর | শিখাবল | শিখামূল | শীতকর |
| শীতকাল | শীতফল | শুকনাস | শুকবাহ |
| .শেষকাল | टेन्गलथत् | শৌচাচার | শৌবাপদ |
| সদাচার | म मामान | . সনামক | সমভাব |
| সাহসিক | সিতকর ্ | সিভশিব | সিতসার, |
| সুকুমার | সুখকর | र्र्य विष | সুধাকর |
| | | | |

| | | , |
|-----------------|----------------------------|---|
| স্থৃতিগৃহ | সু রসূত | ুসন চর |
| সোমবার | সৌরভেয় | * হয়মার |
| হরিতাল | হারহর | হিমাগম |
| ভূমব ্ ঘ | হৃদয়েশ | ক্ ষীকেশ |
| হে যকুট | হেমকেশ | देश्यवण । |
| | সোমবার হরিতাল ভুমবাঘ | সোমবার সৌরভেয় হরিতাল হারহর ভুমবাঘ স্কদয়েশ |

স্থরান্ত চতুরক্ষর শব্দাঃ।

| অগমতা | অঘটনা | क जटमान | অভিসারী |
|-----------|------------------|---------|---------------------|
| অনপায়ী | অন্ট্রেরী | ভনীকিনী | অমুকারী |
| , অনুগামী | <i>जरु</i> की ती | অসুমিতি | অপরাধী |
| অপহারী | অবমতি | অবংহল | অ ভিনেতা |
| অভিনানী | অ মলকী | আমিষাশী | আরভটী |
| 'আরাধনা | जा निशन। | অলোচনা | रे हे देशाला |
| ইড়াঢিকা | हे ट ज्या | উদরিণী | উদাসিনী |
| উপজীবী | উপপত্তি | উপবীতী | উপমিতি |
| উমাপতি | একপাটা | একনামা | একযোনি, |
| একহারা। | | | _ |
| কড়িয়ালী | कनी निक | কলাকেলি | কাচনকী |
| কাণপাটা | কাণাকাণি | কামরেখা | কামৰূপী |
| | | | |

कूग्रुमिनी কুমারিকা कीलांनिध क्लिटवंदी কোলসাতী **टे**कत्रविशी কেশপাশী কেলিকলা গণিকারী কোৰী ক্ল গণেকক গজাননা গুটিপোকা গৃহগোধ: গাদীপতি গৰাদনী ग्रहा निका গোদোহনী গৃহভূমি গোপবং ঘনোদধি চারবাং ঘোর তরা গোরোচনা চিরজীবী 'চোরাবালি চির্মেহী চারিপায়ী জনয়িতা জবনিক জনকারী ছায়াতরু জলহর ী জলালুকা कतनीली **জ**লচারী তদবধি তমোম-ি 'জীবনিকা किनरश नि ভূণগোধা जूनातकारि তারকিণী তু :কেতু দিবাভী দাশরথি নারুনিশা. मांक हिनी **ভূ**ষণ†ि দীপশিখা" **তু**রারোহা দিশাহার দৈবদার **দূ**ঢ়বাদী দেবগিরী দেব তর্গ **(मवस्या**नि দেবপুরী দেবমণি দেবপতি ধামনিফি ধনহরী **भाजू**टवर्षी टेमवटम् १८% ধারাবনি নভে'রে নবতিকা नवरमाला নিমীলিক नागतानि नाभरत् नागवना নিরাহারী নিরাক্ত নিরাধারা নিরপায়ী मीलम (नीनह्या নীরসতা नौत्रनिधि

পরিসীমা পদ্মালা ' পরকলা পারাশরি: পাপীয়সী পাদরথী পীতমণি পিশিতাশী পীতবাসা भू तामका পৃথাপতি পুতনারি পুরোগতি পুরোভাগী ফলভূমি বনমালী वनमाल পৃষভাষা বারনারী বারনিধি বামাগারী বাধকতা বিকুণিকা বিকালিক। বিজিগীয়া বারবেলা বিদারিক। বীররেণু বীরবাছ বীরমাতা বৈয়াসিকী বেগবতী **রহতিক**। দেবমাতা जा ! गामी ভূতহারি ভাগীরথী ভীমাদেবী মণিমালা ভূমিজীবী ভোগবতী মদালাপী মাতামহী মাধবিকা মনোরমা মনোহারী মায়াবতী ম্গারাতি মীনঘাতী মেঘমালা মেধাবিনী **গ্থপতি** রতশারী যাজকতা <u>রোচনিকা</u> রাজপুরী রতিপতি র জফলা লোপাপিকা রোমাবলী শশিকলা শশিলেখা শৃগালিক। শেকালিকা শিখাবলা শিরোধরা रेगविनगै <u>নমাপিকা</u> শোকহারী **সারমাট**ী নারমেয়ী সিতালতা সীরপাণি यूथणाली সোহাগিনী द्रिष्णीवी স্চিরোমা रश्माला :

[৩৩]

श्चांकृतिली दिमधांकू शैनवानी त्रममानः देशमृत्की।

স্বরযুক্ত পঞ্চাক্ষর শব্দাঃ।

অতিবিকট অতিপাতক অজ্ঞাপালক অনালোচিং অধিদৈৰত অনবসাদ অনিলাময় অনিয়মিত অনিবারিত অনুপাতক অনুমাপক অমুগৰীন অপবারিত **अ**श्रती मन অমুলেপন অপরিমিত ,অপাবরণ অপরলোক অবপাল**ন**ৈ অবগোচর 🦠 অবগ|হন অভিবাদক <u> जित्रहल</u>न অভিনিবেশ অভিলাযুক অভিবাদন অভিলীয়ত আকাশদীপ আদিকারণ অসমাপন আধিদৈবিক আভিচারব আদিবরাহ ইভপালক. ই ভমাচল ইতরেতর উপঢৌকন উদরাময় ক্রশানকোণ এতদিত্র উপযাচক উপদানক করিশাবৰ <u>কথাসচিব</u> কনকাচল

করিদারক কাচভাজন কুমুদবাস কুমুমাধিপ কুত্ৰেতন্ কেশকলাপ গগণেচর গিরিজামল **हत्र (१) मक** ছাগবাহন खल व यम জালকারক **जी**विंउकान তোয়সূচক দেবতাধিপ **रे**मवरकाविम দোহাপনয় নামাপরাধ পটবাসক

করুণ কর কাণপাতল কুলধারক কুসুমায়ুধ, **কুতা**পরাধ কৌশিকফল গ্ৰুম চল ঘোররাসন চরমাচল जनमानव कलभा श्रव জীবনায়ত জীমৃতকুট मीशशामश দেবায়তন टेमवटलथक ধারাবাহন निवाशमीय প্ৰনাশন

ক কতালীয় কায়বলন কুলপালক কুমুমানব কেলিসচিব খদিরোপম গতনাসিক চরণায়ুধ চিকুরপাশ <u>জলতাপিক</u> **জলপূক্**র জীবসাধন তরণিস্ত দেবগায়ন দেহধারক দোষাতিলক ধারাবাহিক नौनकमल পরমলাভ

[৩৮] এতিনাক্ত

| | - | |
|---|--------------------|-----------|
| প্রিয়াত্র | পরিচারক | পরিবেদন |
| প্ররিধাবন | পরিপালন | পরিবাপন |
| পৰিবেশণ | পরিভাষণ | পাণিপীড়ন |
| প্ৰাণিবাদক | পারলৌকিক | পারিতোবিক |
| লিশিতাশন | <u>পৃতিসারক</u> | नू करा थम |
| পৃথিবীপতি | कनारक रिक | ফলাপলাপ |
| বঙ্হানল | বঙ্বাস্কৃত | বনগোচর |
| ব্ নব াসন | दनमा शूष | বাদাসুবাদ |
| ৰারিবা ল ক | ব ালু কাময় | বাঁজোপরীত |
| বিমলদান | বিঘনাশম | বেদবদন |
| ভাললোচন | ভালবাসন | ভীষশাসন |
| ভূতভাবন | মধুরাদাপ | মধুরো দকী |
| মধুলো লু প | মলয় চল | यणक्र निव |
| মহান ়ক | মহাপা ঠি ক | মহারাজক |
| মহারোরব | মহা সকর | মানসালয় |
| মৃগ শাৰ ক | মৃদ্ভুলেগ মক | মেঘতিমির |
| যোগনাবিক | क्रमभा सक | রাজসারস |
| রে মকেশর | শক্তাপনস | লোহিতানন |
| লোহচারক | শ্ব রাবাস | रेनवनिति |
| महन भील | <u> নীমাবিবাদ</u> | सूत्रभाष् |
| * | • | |

হরিবহিন স্চিবদন হরিবাসর হিতজনক। र्तित्नां व ক্রপালিকা কপোতপালী কপিলধারা কালামুনাদী কলভূলিকা কাণপাতলা কুলপালিক। কুমারবাহী কালাহুসারি कुरुककोदी গিরিকদলী গণিকারিকা **घृ** जनीशी जि ঘৃতকুমারী গৃহমেবিনী জয়বাহিনী <u>जालकाशिकां</u> জয়কারিণী তক্বতূলিকা **जी**वनद्यानि ঠাকুরলাটী তৈলপায়িক। **महमा**तां कि দিধিস্পতি নবদীধিতি দোহদবতী নৰমালিকা मवर्ग वन পরিচারিক। পরিরাদিনী পিশিতাশনা পরেপিকারী পাহাণভেদী বনমালিনী পীতকদর্ল: বরাহকালী বলদীনতা বায়সারাতি বামলোচনা বায়ুবাহিনী বাহিনীপতি বিভবশালী खबन|निनी মহানব্মী মহাপাতকী যামিনীপতি মুৰকারাতি রথাবরোহী রায়বাঘিনী রোহিণীপতি ললামভূতা শিবদু ভিকা শিশুপালহা বোড়গড়জা

[8•]

া স্থর যুক্ত ষড়কর শব্দাঃ।

অকুতাপরাধ **আকাশস**লিল कूर्यामनीপতि জনকড়নয় দমহোষসূত দেবসেনাপতি নরকদেবতা পরোপকারক পানীয়নকুল মদনসারিক। যৌজনশতিক সদানীরবহা क्मलनयुन কৈটভনাশন খেচরসমান চাতক্সমান জৈমিনিবচন পিশুনবচন

অনুযোগকারী অৰুপ্ৰারণ গতামুগতিক জলপারাবত **পুরিতদমনী ४व**गौकीलक नातांत्र (रिजल পশুমোহনিকা পানীয়শালিকা মহিববাহন শিখরবাসিনী হরচুড়ামপি। কালপরিমিত কোক্নদস্ম গণেশবাহন চিকুরভূষণ माक्र । यमन পীনপক্ষোধর,

<u>অভিভাবকতা</u> কালাসুসারক গতামুস্তনা জীমৃতবাহন দেবতাধিপতি নশুচিফ্দন নিবাহকর: পাশলনিলয় यमनद्भा, इस মূলবধাজীই े देशनामक्षर ङ কিরণনিক্র কোমলশরীর গুরুতরজ্ঞ জীবনধারণ দীনদয় মিই বসন্মোচ? বালকসমূহ ননোহরবেশ মুনাপুলিন শিবিকারোহণ লোদরপালন

শুবনমোহন মানসপুরণ-রৌরবনরক সময়বিশেষ হিতকারিলোক।

মপুরাগ্রন ক্রুবানিনদ শাসনকারক সেচনকারক

পজিবার পাঠ।

य नकल वालक बालाकारण विमाण्यान ना करत, जालात यावब्दीयन इस्थानात, भवः नकलकात अधिय स्त्र। धवः यादाता वालक नमस्त्र स्थानाल करतन, जात श्रीकिंग्यन शार्षणालात्र यान, जालानिगरक नकरलहे नमानत करतन, श्रीत जालाता विमाचान स्केश यानाशाब्दन करतन स्रुज्ताः जालानिशरक कान इस्थ लोग कतिर्ज्ञ द्वा ना।

সকল ধন মধ্যে বিদ্যাধন জজুত্ম যে হেতু এই হজাত বিদ্যাধন অপর নামান্য ধনের ন্যায় অব্রুন ও সঞ্চয়ন বিষয়ে কোন প্রতিবন্ধক হইবার সম্ভাবনা নাইট এই বিদ্যাধন যত বিতরণ কর ততই তাহার ৰশ্বিকৃতা প্রাপ্ত হয়, ধর্ম ও অর্থসাধন বিদ্যাতেই হয় বিদ্যা ধূরহীর ব্যক্তির পরম সহকারিণী বিপদ্ধজনের -বিদ্যা কেবল হিতৈষিণী এবং কামধেত্বর ন্যায় কুর্মাজিলাব প্রদায়িনী।

বিস্তাৰণ নিধি চৌরে অপহরণ করিতে পারে না ভাগাধিকারিরা বিভাগ করিয়া লইতে পারেন। অগ্নিও জলেতে অপচিত হয়না, পথিকের পথ-সমল এবং অবলের বল স্বৰূপ হন অতএব এমত অথ লাভে যত্নশীল হও।

বিজ্ঞাহীন মন্নুষোর উত্তম কুলেতে কি প্রয়োজন যে হেডু তিনি কখন ভদ্র সমাজে পুজিত হন্ন। কিন্তু নীক্র ব্যক্তি যদি বিজ্ঞান্ হন্ তাহাকে সকলেই সমাদর করেন্।

মনুষ্য প্রথমাবস্থাতে যদি বিক্তা উপার্জন ন করে আর যৌবনকালে যদি ধুনার্জন না করে এবং রদ্ধকালে যদি পুণ্য সঞ্চয় না করে তবে সেই ব্যক্তি অন্তিমকালে কিছুই করিতে পারেনা।

বিস্তার সমান বন্ধু নাই, রোগের তুলা রিপু নাই, আর অপত্যের সম স্নেহ নাই, এবং দৈবের সদৃশ বল নাই।।

[89]

अत ६ रलयुक्त मस्य

- ক— ককোল কুকুট কুকুর চিক্কণ ধিকার।
 কন্ধণ কন্ধাল কলন্ধ সন্ধেত সন্ধোচ।
 উল্কা কলক থাকে বাক গুল্ক।

 তন্ধর নিম্কর নিম্কল নিম্কুট পুষর।
 ভিরম্কার তেজকর নমস্কার পুরস্কার।
- খ— পুঞা নিমা শঙা শৃঞালা সঞ্যা। হ্ৰথ, খলন খলিত।
- গ- অঙ্গ কঙ্গাল জন্ম পুরঙ্গ ওস। বজা বিজ্ঞা। উলার জরকাব মদার মুদার। ফগু ফাশুন ফাশুনী।
- ঘ— ক্ষতা র**জ্ব লজ্মন শিক্তাণ সঞ্জ।** উদ্যাটন উদ্যোটিত উদ্যাত।
- চ
 উচ্চ উচ্চারণ কচের সচিত ।

 অঞ্চল কঞ্চুকী কাঞ্চন চঞ্চল বঞ্চনা।

 নিশ্চয় নিশ্চিত পশ্চাৎ পশ্চিম।
- ছ উচ্চলিত উচ্চেদ কাৰ্ছণ কুৰ্ছিত আছু। উঞ্চ বাঞ্চা বাঞ্চিত লাঞ্চনা।

ভ কুল খ্ৰুল লক্ষা সক্ষা। ভক্তি কুঞ্জর খঞ্জন গঞ্জনা রঞ্জন। শেষ উত্ত কজা কুজ সূত্ৰ। ব — উচ্ছি কুঁজাট কুজাটক। ফণিজাক। ্ৰঞ্চনা ৰঞ্জা ৰঞ্জাট। 40 — याका, अब्ब विक थाक पक। ট— অক্টালিকা কুটিম পটজ বাটক আইছে। क्लेक घन्डा चुन्ही वन्डेन। क्के क्के नके मिके निके। b- कर्छ कृष्टि वर्डत वर्शन नृष्टिछ। 💮 🌞 🕶 বিষ্ঠ কাঠ জোষ্ঠ ভূমিষ্ঠ শ্ৰেষ্ঠ। ড- অভ কাও খণ্ড দণ্ড ভণ্ড। চ— ডুপ্টি শণ্ট। ন কর্ম, নিষপ্প বিষপ্প সোগ্ধ। কুপ্প। কছফ কুফ ভৃষ্ণ বৈষ্ণব সহিষ্ श्र्वाइ थाइ जनताइ। ত – তিক্ত বক্তা ভক্ত রক্ত শক্ত। আরভ উত্তম উত্তর চিত্ত পিতা। ্ৰন্থ একান্ত কান্ত চিন্তা বসন্ত।

खरा मीरा श्रास जूरा नमास।

গভস্তি নিস্তার পুস্তক প্রসন্ত মন্তকু। উक्थ छक्थमा तिक्थ। উত্থান উত্থাপন কপিতা কুলতা দ্থিত। গ্রন্থ পতা পাত মন্ত্রন রোমন্ত্র। আহা কারত প্রতান তল ভির। **डेकीशन डेक्स डेटक्स डेटक्स**! আনন্দ কন্দ্র চন্দ্র ছন্দ বন্দ্র। অৰু শৰু শক্ৰা। **पक्ष क्र्य अ**पिष विषय वि**युध**। উদ্ধৃত ক্ৰুদ্ধ খন্ধ বৃদ্ধি প্ৰদ্ধা। अक शक वक्त वक् वक्तान। आंत्रक लक जुक विश्वक। षित्री शिल्की वन्तू भक्। অগ্নি নগ্ন ভগ্ন ভগ্নী সগ্ন। ক্তম জন্ম নিম্ন বিম্ন শক্রম। রুত্র হুত্র পত্নী যত্ন রত্ন, ব্রধু। অন্ন অবসন্ন আসন্ন প্রপন্ন প্রসন্ন। यक्ष, भवु, निम्न ख्राह्म सूच्या। প্রশ্ন পূলি শিল। ক্ৎন নাত নান জ্যোৎনা।

, অহু আছিক চিছ জহু বহি। भ- कष्ण हल्लकं श्रुक्ताता जल्लक। चक्र शक्ष इक्षत िसमी लिक्षन। অত্যা কল্পানা গণ্যা জন্যা সম্ভল্যা। গোষ্ণাদ গীষ্পতি নিম্পীড়ন পুষ্প বাষ্প আস্পদ পরস্পর নিস্পৃহ বাস্প। গুলা ডেম্ফ লক্ষ্য সম্ফাল। निकल, जाकालन कीठ कारिक। च— असुर छेहत छेहाविङ छेहिम्। আরম্ম কনম গম্ভীর জন্ত দাঙিক। कृत्। कृति। कृति। मर्भ क्यो। তিয়া তিয়াংশু বাগ্মী যুগা। বাজায় বাশ্বাত্র পবাধ্যুখ, কুটাুল (মৃগার বাগাত্র হিরগার। আত্মজ জাত্মা তুরান্তা মহাত্রা। কল্প ছন্ম পদ্ম প্রিমী সন্ম। আধান ইথা খাজ্ঞ থামন। উন্মনা উন্মাদ জন্ম তন্মর।

সন্মত সমূখ সমাতি সমান।

कन्नाय कनाय कना काना वन्नोक।

পীতাত্মা বেশ্ম রশ্মি স্মশান স্পঞ্জ উৰা কুৰাও এীৰা চুম্মন্ত ভীৰা। বিস্ময় ভস্ম শ্বরণ স্মৃতি। किका खाका खाका। जन्मा शन्म लक्षी सूक्षा। বাকা মুখ্য স্থারোগ্য প্লাঘ্য ৰাচ্য ভোজা। কাপটা পাঠা **আঢ়া অরণা মিতা পথা**। অভা অসাধ্য মান্য প্রাপ্য গব্য। লভা রমা অবশ্ব তুবা কছা বাহা লক্ষ্য। া চক্ৰ অগ্ৰ ীয় বন্ধ মিল ভক্ৰ। বিপ্র আমু বিব্র**ত ভাগ্রম অজন্ত** প্রহাদ। তর্ক মূখ তুর্গম দীর্ঘ চর্চা। मुक्त ना कष्ट निर्वात शूर्ग मर्भ मर्वा। গর্ভ মর্মা জুল্ল ভ দর্শন হর্ষ গহিত। क्रिन क्रीत क्रम क्रम क्राम। शूर शान शानि शो। প্লক্ষ্ণ প্ৰাৰ্থ প্লীহা বিপ্লব। यमू यमान मिनमूह मान। जिल्लाम पूज अकूल वज्ञक। ৰল্লীল ল্লখ লেব ল্লাঘা ল্লীপদ।

्षाञ्चाम करूनात अस्नाम बास्नीक। ব কণ কাথ নিকণ পক শকর। আর্থধ দিখলয় দিখিলয় অধী। खुत खुल खुल। यखन्। বটা ঘটাক বটাশ। অন্তান ইড্র নড্ল শাড্ল। কণ কিণ। গুরুত্ব চত্ত্রর ত্ত্রা সত্তর, পৃথী। मात विठोष एव दिवान्। जभवन ध्वनि ध्वःम नवस्त्र ध्वनिष्ठ। অম্বয় অন্থিত অন্বেশণ পশ্ব। क्यल कम्य निथ विश्व विश्वाम। किनिय विन वनुक भाना। আখাদ ঈশ্বর নিশ্বীদ বিশ্ব শেত। नत्तिष्रण निष्य विष्रक्। অহুসার আস্বাদন গোসানী তেজ্ঞী क्खं शस्त्र किंद्या विद्युल मत्नाद्या। हेकांकू एक्ड किश। अन्तरा अन्तर्केना विश्वना निना।

.... { 8*****]

অনুস্থার ও বিদর্গ যুক্ত শকাঃ।

| ংশ দংশ্র পাংশ্র পাংশ্র ংশ্র দংশ্র পাংশ্র ংশ্র পোংসবন সংরং, সংহার হংগ্র হংস হিংসা। বহুঃপ্র অন্তঃপুর অশেষতঃ আপাততঃ তর্তঃ চতুঃ তপঃ তেজঃ হংগ্র ধ্যুঃ ধর্মতঃ নভঃ | | তাংশু | অংহ | কংস |
|---|----|---------|----------|--------|
| ংশ্বল পৌংসবন সংবং সংহার ংশ্বল পৌংসবন সংবং সংহার নংহ হংস হিংসা। নহঃপ্র অন্তঃপূর অশেষতঃ আপাততঃ তর্তঃ চতুঃ তপঃ তেজঃ হংখ ধরুঃ ধর্মতঃ নভঃ | | | পৃশ্পব | भारत |
| দংহ হংস হিংসা। বহঃপ্র অন্তঃপুর অশেষতঃ আপাততঃ তর্জঃ চতুঃ তপঃ তেজঃ তর্জঃ ধর্মতঃ নভঃ হঃধ ধর্মঃ | | | , | সংহার |
| মতঃপ্র অন্তঃপুর অশেষতঃ আপাততঃ ভরতঃ চত্তুঃ ভরতঃ চত্তুঃ রুখ ধর্মুঃ ধর্মতঃ নভঃ | | | हिश्म। | |
| ভরকঃ চত্ত্ব: তপঃ তেজঃ ক্ষেত্র ধর্মতঃ নভঃ | | • | অশেষতঃ | আপাতত: |
| হুঃখ ধন্মঃ ধর্মতঃ নভঃ | | | তপঃ | |
| - Y1Q Via | | •• | ধর্মতঃ | |
| | | নিঃশব্দ | ানঃসারণ | |
| প্রতেথাঃ প্রায়ঃ প্রায়তঃ বিশ্বতঃ | ŧ | প্রাছঃ | প্রায়তঃ | _ |
| तनः राष्ट्रः योगः नितः | 3. | যজু; | योमः | শিরঃ |

कामान यूक्टर्न खाकः भकाः।

| ক্লান্ড গ্লান্ | ক্লান্তি জণ্ডি | ক্লিন শ্বঞ্চ | ক্লিফ শ্বন্টা | গু ন্ধ ভিক |
|-------------------|-------------------|--------------------|------------------|----------------------|
| বিশ্ব | ध्वस्र | ध्यांड | गङ | नाक |
| প্লক | क्षूर्य | ্ ু ব্যক্তি | ব্যঙ্গ | নেক |
| শ্লিফ | ন্থেমা | ক্ষ | ** | 44 |
| 7 10 /4 " | F as | 2 -] | | |

(0)

্**ভ**র্ড রিশ্ব প্রাথম প্রয়ত স্বচ্চ স্থান্তি ক্ষান্ত ক্ষিণ্ড। '

श्ल अवर अत्रयुक्त छ्जूतकत भकाः।

কন্বুগ্রীব কৰ্মসাক্ষী কন্তুপক **क्येमृत्र**े কাৰ্ডবীৰ্যা কার্যাদক কিন্নরেশ কালিন্দীস্থ 🕝 किश्रम खी কীর্তিমান কু জ্বাটিক। कुमञ्जी কুর্মরাজ কুচ্ছ,গত খজাকোষ श**क्षमृयी** গৌরীপুজ গ্ৰন্থকৰ্ত্তা ভাণে স্থিয় চন্দ্ৰকান্ত জমুদ্বীপ <u>ৰোতিশক</u> চিস্তামণি <u>जस्टली</u> তীক্ষকক টকশালা बाह्यक्र তলম্পর্ন তুণ্ভৱ তেজক্ষর দ্বাপ্তি म खळ् **मीर्घ**शीव **ত্রু**চরিত্র मिक् । यह ত্ৰপৈ পাষ্য थर्माध्य जी ধৰ্মাধাক <u>ৰিজোত্তম</u> कुष्भु धर्म প্রগভ নিৰ্কাসন নিদ্বাশিত নূপাত্মজ পাশ্ব খ্ল **পোষ্ট**্ৰর প্রিচ্চন পূর্ণকুম্ব প্রোষ্ঠপদ্ প্রস্কৃতিত वस्तीमानः বক্তপুষ্প বহিগভ वर्कमान বহিদেশ বর্ষপুষ্পা -বাৰ্ত্তাবহ বিশ্বভণ্ড বাহদন্তী ৰানস্পূত্য

[的]

বিষ্ণুপদী बनात्यां भी বিশ্বৰূপ বিশ্বস্থর ভবাস্থ্যি ভর্ত্তৃহরি ভক্ষগন্ধা ব্যোমকেশ ভূমিকম্প প্ৰণিবন্ধ ভিকাজীবী ভিন্নভাব ্বক্তাবলী মতিচ্ছ্স মস্থলৈল মেচ্চুকন্দ যুদ্ধরঞ या काटमनी ্যুক্ত দেশ যন্ত্রগৃহ রত্বগর্ভা রত্বদ্বীপ যুধি**হি**র রণভূষ্য ল**জাশীল** লক্ষীকান্ত রোহিতাশ্ব न दशी पत শেতচ্দ শক্তিপাণি শুকুপক শব্দকোষ সপ্তদ্বীপ সঙ্কীর্ত্তন সঞ্চারিণী मक्ता किल गर्क मर्गी সূৰ্য্যমণি ्मन्त्रीमन কন্ধরণহ হরিশ্চন্দ্র ক্ষুর্দ্তিমান **सा**जितिक **र्**श्रक्षय কার সিন্ধু **হুষ্**পুষ্ট হৈমস্তিক হস্তিকক্য ক্ষুদ্র ।

হল এবং স্বয়যুক্ত পঞ্চাক্ষর শব্দাঃ।

| কম্চপৃষ্ঠ | ক জ্জ লবৰ্ণ _ |
|-----------------------|----------------------|
| রূপণভোষ্ঠ | কেশমাজ্ঞন |
| গঙ্গাসাগর | গম্ভীরজল |
| গিরী স্তশ ুঙ্গ | ঘণ্টাবাদন |

কামৰপস্থ খড়াম্মভূৎ গাভীৰ্য্যযুক্ত ঘৰ্ষরশন্ম

[48]

उत्तर्भगि ঘশ্ববিশিত ঘোরসঙ্গাম **ছিন্নসম্ভ**ক চৌর্যাকরণ হৈতনাবুক্ত জলপ্পাবিভ टेकनमग्रर कारभारम তদ্রবাগীশ ডিভিমবাস্য **ৰঙ্গা**রশব্দ তীর্থভ্রমণ ভপস্যাযুক্ত তিরস্কারক ভূফ**া**রহিত ভূগ্ডিবিশি**উ** ভুরুক্বেশ ধনগ্ৰিত **চুন্দ্র**ভিবাদ্য মঞ্জাহণ নীতিশিক্ষক নিরহঙ্কার ধৃষ্ণ রপ্ত পৌগপ্তাবস্থা প্রমানন্দ মুক্তনত্ত ব্য বস্ত্রর জব প্ৰীতিবৰ্জন প্রেমতরঞ্চ ভেকনি 🗱 বুদ্ধিবিশিষ্ট 'বৌদ্ধমতক রক্ষাকারক যাগমগুপ মাদক্ত্ৰব্য শস্কারহিং লুগুবিকর লাঞ্চলধর সদ্বিবেচ **বর্চব**র্বীয় শোকভঞ্জন হরিজাব হরিণশৃঙ্গ সন্তুক্ত চিত্ত **কু**ধাপীড়িত ক্ষীণশরীর কিভিপালক

रल धवः खब्रयूक बङ्कब भनाः।

অকালকুয়াও অকিঞ্ছিৎকর অস্কুশছু^{র্} অকারকতৈল অকুলীপঞ্চক অটালিকাকা অন্তিনন্দ অসম্ভবিজয় অন্ধক স্থৰং অপাক্দর্শন অশ্বমহিষিকা অস্ত্রচিকিৎসা অকিল্পার্চনা আপাদমন্তক इस्ट्रां भकी है ইন্দিরপোচর উচ্ছিষ্টভোজন <u> উত্তরকোশলা</u> **উর্ফা**রমণ ঋষ্য**মূকশ্**ন্দ এতদনপুর কজলরে চক কাঞ্চননগরী कालिकी एक मन কুৰুটমগুপ কুম্বীরমক্ষিক।

অধে জিহ্নিক। অনিমিবাচার্য্য অনুময়কোৰ অভোধিবনত অশ্বিনীকুমার অক্ষয়ভূতীয়| <u> আনকছ্ন্ডুভি</u> আরক্তলোচন ইন্সজিবিজয়ী केश्वनाथन উৎকোচগ্ৰাহী উন্নতন|সিক| উঞ্চাভিগমন ঋষ্যশূক্ত সূত ঐকান্তিক : ক্তি কন্টকারীরূক কার্ত্তিকেয় প্রস্থ কিম্পু ৰুব্বৰ্ষ কুন্তলবৰ্জন कूत्रअनम्ब

অ্ব্যাবাহনিক **जी**श्रह्मान অপবিদ্বপুত ভাগৰমন্দির অসমীক্ষ্যকারী আকর্ণনয়ন আনন্দ প্ৰভাব ইন্দিরামন্দির ইন্দ্রবারুণিকা **अगामस्टर**ी উত্তমসাহস উপর**তম্পৃহ उर्क**रलाकवात्री একোদিক আদ্ধ ওষ্ঠাগতপ্রাণ কনকদপ্তক কালান্তরবিষ কি**ন্ধি**ন্ধ্যাধিপতি কুমুদবাশ্বব কুটাৰ্শভাবিতা

কৃতা ভঙ্গনক কৌশল্যানন্দন গন্ধবিপতি গীৰ্কাণকুমুম -গোবর্দ্ধন্ধারী চন্দ্ৰবিহঞ্ম চর্মপ্রসেবকু ছন্দকপাত্ৰ *स्वामकं* डिल् তত্ত্বাবধারক ভারাশুদ্ধিকর ত্রিদশদীর্ঘি কা দশমুখা শুক হৈত্যনিস্ফন निশু खर्मा किनी পদ্মপলাশাকি পরম্পরাগত পরিস্পন্দমান পার্কতীনন্দন পুষ্পকরণ্ডিনী

क्रकाउजूर्मनी খগেন্দ্বাহন গর্ভিণ্যবেক্ষণ গুণোংকার্ত্তন চক্রপুষ্করিণী চম্পককলিকা চিত্তপ্ৰসন্নতা ছিদ্রানুসন্ধান জাতিম্মরপক্ষী তমুসঞ্চারিণী তামুলকরস্ক **मञ्डह्ता**श्रमा দাক্ষায়ণীপতি দ্বাদশলোচন. নুপতিবল্লভ পদাবতীপ্রিয় পরাহোপজীবী পাঞ্জন্যধর পুরুষকুঞ্জর পুর্মদিক্পতি

কোকনদচ্ছবি शक्षम्की मन গান্ধর্কবিবাহ গৃহাবগ্রহিণী চন্দনশারিক চর মক্ষা ভূৎ চুমকপ্রস্ত? জনকন ন্দিনী জুগুপিসতকর্ণ ভগুসুরাকুৎ ভুরঞ্বদ• দশকর্ম জিং দেবকী নন্দ নারীভরঞ্চ পঞ্চমহায়ং প্তিনীবল পরিণামন পানীয়পৃষ্ঠ পুষ্করকর্নিৰ প্রতিপালিত

প্রতান্তপর্বত প্রতাকপ্রমাণ প্ৰাসাদকুৰুট বদরিকাশ্রম বল্লভপালক বসন্তকুসুম বিল্লেশবাহন বিলাসমন্দির বীরজয়ব্ডিক; রুদ্ধবিভীতক ' ত্ৰাহ্মণযয়িক৷ বৈরনির্য†ভন ভট্টারকবার ভরতপুত্রক মঞ্চলচপ্তিকা ভাষাপরিচ্ছেদ মধ্যমভূতক মধ্যলে তিকশ্বর মৃগেন্দ্র চটক যতিচ|জ্ৰায়ণ রস্কর বীর রসায়নভ্রেষ্ঠ **লক্ষ্মীনা**রায়ণ শকুণুলাতাজ শিবচতুর্দশী শেষরসূদন শ্বশানবাদিনী সঙ্গামপ্টহ সন্দেশহারক সমুদ্রর সন শলিলকু স্তল সারস্বতত্তত *पूर्त्यान*कुमऋग स्राक्षिकुस्रम হিমাজিতনয়া হরিহরাত্মক

প্রসববন্ধনী বন্দৰীমালিকা বিশ্ববিনাশক বিশাস্থাতক ब्रुक्श वदन्ध्र ভক্তিরসালাপ ভারত্বাজঋষি মতাবলম্বন মহাক্টকিনী *যৌবনলক্ষ*ণ র†জস্য়যঞ শ্ত্ৰপ্ৰজননী শোভাঞ্জনরৃক্ষ गरस्य विकास गर्का ऋ ऋ ऋ क <u>जीयदश्रामय्य</u> হরিসংকীর্ন্তন কীরাকিতনয়।।

[69]

🗫পাধি ও পদ্ধতির সহিত মনুষ্যের দাম

অধাপিক।

্রীঅজুরচন্দ্র দেবশর্মা। ''' অচিন্তারাম তর্কচুড়ামণি। " অচ্যতানশ তক্সিরোমন। " অবৈক্তচরণ তর্কালকার। " অন্ভরাম ভর্কপঞ্চানন। '' অসুপদনারায়ণ তর্কভূষণ। " অপ্রকাম তক্সিদান্ত। ্ অভয়াচরণ তর্কবাচম্পতি। " অভিরাম তর্কবাগীশ। '' অবোধ্যারাম তর্কসরস্বজী। " অলোকরাম কায়পঞ্চানন। " অক্সাচন্দ্র নায়বাচম্পতি। " আজারাম ন্যায়রত্ব। ^त आचाराम नामानकाद। क व्यामकहम्बा नाष्ट्रवाशीन। " व्यानिविद्योग नगांत्रज्यन। " আশারাম বিনারের। " रेव्हादाम विमाविक म्लिं।

এই কু ভূষণ বিদ্যাবাগীশ। '' रेक्कास विशांजूवर । '' ঈশানচন্দ্ৰ বিদ্যাপঞ্চানন " क्रेश्वरुक्त विमानिधि। " जैसरीक्षमांव विवासिकांत " উৎमवानम विशामान्। " छेमयहट्य विमानियांत्र। '' উদয়নারায়ণ বিদ্যার্থ। " উদয়রাম সিকান্তশিরোম্ '' উদ্ধবচন্দ্ৰসিদ্ধান্তবাচস্পদি ''উপেজনারায়ণ সিদ্ধান পঞ্চানন । " উমাকান্ত নিকাতবাদীন " উমাচরণ সিদ্ধান্তশেধর। ণ উমানন্দন বাক্পভি। '' উমাপতি সার্ব্বভৌম। ं ' উरम्माञ्ख जाभगवांशीमः

'' অষ্যশূক অলকারবাগীশ।

ক্ষকরাম ভক্রবাপীশ। কন্দৰ্পৱাম সভাপতি। মললোচন গোসামী। ' কমলাকান্ত ভট্টাচার্যা। পশ্চিম দেশীয় অধ্যাপক। ' কান্তিচন্দ্ৰ বিবেদী। কামদের ক্রিবেদী। कानिकाश्चराम हजूदर्सभी। ' কালিদাস অগ্নিহোত্রী। " কালীক্ষ বাজপের। '' কালীকিন্ধর উপাধ্যায়। " কানীকুমার ভট্ট। '' কালীচরণ মিশ্র। " কানীপ্রসাদ দীক্ষিত। " কালীশকর পাঠক। " কাশীনাথ পাঁড়ে। ্ৰ কাশীৱাম পণ্ডিত। '' কিশোরীমোহন অবস্থী। ' কীন্তিচন্দ্র ওরা। " কুঞ্জবিহারী শান্তী। " कुनध्य सङ्ग । '्र

বাদীয় ব্ৰাহ্মৰ क्षिकृरवज्ञास मूर्याशांशांत्र। " कुशांतीम वटनांशीशांत्र। " क्रुकांख ह्द्रज्ञांशांशांत्र। ' কুফ্কির গলোপাধার। " ক্লফকিলোর খোষবাল। " কুফচন্দ্র গড়গড়। '' ক্লফদাস কেশরকোণী। '' ক্লফধন কুলভী। '' क्रुकश्रमान नीर्चार्छ। " ক্লফমোহন পারিয়াল। '' কুক্সখা হড়। " কুফানন্দ গুড়। '' ক্লফবলভ পীতমধী। '' কেদারনাথ দিগুলিসায়ী। " কেনারেখর পিপ্পলী। '' কেবলরাম রায়ী। " কেশবরাম কুন্দ। '' কৈলাসচক্র ঘটেখর। " (कीमनानिष्यन कोश्रिनांग। " थरभक्षनातात्रग महिन्छा। '' বড়ংগদর প্ভিত্ত। " খেলারাম চৌটবভী।

औरबोल्डानह्य भनगारे। ে গ্রন্থাকিলোর পাকড়াসি। " शकारभाविक शांवधि। " পঞ্চানারায়ণ তৈলবাটী। " সঙ্গাধর কুগুড়ি। ' গঙ্গাঞ্চাদ বটব্যাল। " গঙ্গারাম মাসচটক। " পজেশুনারায়ণ চাকুর। " গণপতি চক্রবর্ন্তী। ্ গ্রেণেশ পাঠক। " भगांधत व्यक्तिया। वादबस खाका। ' পশ্বৰ্ষ বৈত্ৰ। '' প্রয়ারাম ভীমকানী। '' গিরীশচন্দ্র রুজবাক্চি। '' ভরচরণ সাধুবাক্চি। " अक्रमञ्जूष नानगण। '' ७क्रमाम नाहिष् । '' গুৰুপ্ৰসাদ ভাতুড়ি। " গৌকুণচত্ৰ ভাগড়। " (श्रींशीनहत्व हन्शर्षि । '' গোপীকুক ৰাস্পটি।

গ্রীপোপীযোহন লাউড়িয়া " গোবর্দ্ধনধারী করঞ্জ। " भाविक्षास्य नक्तवाती। '' সোৱাহাঁদ ভট্টসালী। " গোলাবচন্দ্ৰ কাপ। " গোলোকচন্দ্ৰ ভগাই। ক্ষিয়। " গোলোকনাথ বর্দ্মা। '' গোলোকমোহন জাভা " গৌরমোহন মেহরে। '' গৌরহরি কপুর। " গৌরাঞ্চন্দ্র লেট। " গৌরীকান্ত খন্মে। '' গৌরীচরণ বেড়ে। ''গৌরী প্রদাদ লক্ষ ড্। " গৌরীশঙ্কর কোহনী। ⁴ घटियत (महभन्। " খনশাম বহুরে। " हं छी हत्। यदहरा । '' চণ্ডীপ্ৰসাদ উপ্পল। প্রভুত্ত স্পর্ভাবে। " इसकोष्ठ देखन।

देवमा ।

গ্রীচন্দ্র হুর ।

'' চত্ৰপতি দত্ত।

" চন্দ্ৰমণি ভূতি।

" हट्यादाहर जात्रे अग्राटन।

ে চত্রশেশর রক্ষোগী।

"চারদক্র ওজরাতী।

" চিত্রপতি মহেসরী।

চিন্তামণি রোভগী।

্চুণীলাল করওয়ালী।

' চূড়ামণি অগবহরী

ে চৈতন্যচরণ পরদারী।

ছেত্রধর কসুদন্।

' অপক্ষত্র গৌরহর।

देवमा ।

' कशमानम विभावम।

' অগদীশ কণ্ঠাভরণ।

্ অগদুর্ল ভ সভাভরণ।

ভাগদন্ধ ধন্বস্তরি।

অগংহাভ কবিভূষ্ণ।

অগনাথ কবিচফ্র।

জগদোহন কবির্ত্ন।

अनार्जन कविकर्भश्ता

बिक्नरमञ्जू करिंट्सपद्ध।

'' अत्रक्षक कविदश्रख।

'' অয়খোপাল করীন্দ।

" अग्रहक कंवित्रांशः।

'' অমনারায়ণ কণ্ঠভূষণ।'

" অয়ন্তীরাম রত্নভূষণ।

" अग्रमनि देवनात्रां ।

' " अव्यवाम देवना भिद्यांमणि।

" अग्रहति देवलांख्य।

" जानकीताम देवरात्रज्ञ।

. '' स्नानकीवल छ देवपा खिनक।

" জিতারাম বৈদ্যেক।

" कीवनकृष्ण देवनातृष्णांत्रनि।

র্ণ বাড়েশ্বর বৈদাচত্র।

" টীকারাম সেন।

" ठोकूबमांन मान।

" ডाমরেশর छश्छ।

" ঢুণ্ডিরাজ দত্ত :

" ভপসারিম দেব।

'' ভারকনাথ কর।

" ভারাচন্দ্র রাজ।

'' ভারাপ্রসাদ সোম।

" ভারিণীচরণ নশী। 🔑

" जिनकाम हता। প ভুলসীরাম ধর। ে তোতাবাম কুও। ংল ত্রিপুরাচরণ রক্ষিত। প জিপুরামোহন বরাট। काष्ट्र । গ্রিপুরাসুন্দর খোষ! " তিলোচন বসু। क वर्षात्रीय मिन्। " म्य्रोतिहत्त (मर्व। " मर्भनात्राम् पर्छ। ণ দাভারাম কর। ' দামোদ্র পালিত। " দিগদ্ব সেন। " पिरांकर जिल्हा . . " नीमनांश मात्र। " हीनदक्ष छह। ए ही भहक दारा। " फुर्जीहेत्र देनाम । " তুর্পাপ্রসাদ বৃক্ষিত। " जुद्द्याधन गोशी। " ত্রু ভরাম অর্থ।

" कुट्टेमयन त्रांचा। " (मवनाथ हटा। '' দেবনারায়ণ হেড়ি। (((पवीहरूव यह । ग (स्वीतांन भर । ल (मवी अभाग धर्नी। '' দেবেজনারায়ণ বাণ। " देववकीनम्म आइंड। " ছারিকানাথ পই। " धनक्षर मूह । । ধনপতি সাম। । ধর্ণীধর ভঞ্জ। " धर्म्मनोज विष्य । " ধুবন্ধর বল। • '্নন্দকিলোর পাল। '' नमक्षोत्र शिन। " मस्यूनांन हेळा। ণ নশ্বাম গুপ্ত। " नमनांग भूछ। " नवक्षांत्र (मार्थ। " नवकृष्ण भन्ती। '' নবচৈতন্য বৰ্মা

श्रीनवीनहस्य थिन। "नश्निष्ठ दूरे। ' नत्रनहळ पूरे। '' নরনারায়ণ ক্রা '' নরহরি আদিতা। '' নরেন্দ্র বিষ্ণু। '' নরোভ্য নাগ। র্ণ নারায়ণদাস ভক্ত। ' নিত্যানন্দ ওম। 'নিধিরাম বজুর : 'নিতাইচক্ৰ নাথ ৷ ' নিমাইচরণ সাঁই। 'নিরঞ্জন হেশ। 'নীলকণ্ঠ মন। ' নীলকমল গণ্ড। ' भीलमनि होना। ' নীলুমাধ্ব রাহুত। 'নীলাম্বর ধাম। ্ৰপঞ্চানন সানা। ' পদ্মনাভ দাহা। পদ্মলোচন দানা। ' পবনচত্র গণ। পর্যানন্দ রঙ্গ।

শ্রীপর্যেশর উপুমান। '' পরশুরাম কেনি। ্র পরীক্ষিত অন্তর। " श्रीभागांग बद्र। " পাৰ্ব্বভীচরণ ওষ। "পাৰ্ব্বভীনাথ বীদ। " পীডাশ্বর ভেজ। '' शूद्रमद योग। " পুরুষোন্তম শক্তি। '' পूर्नह्य (क्या) '' পুৰ্ণানন্দ ভুত। '' পৃথীধর ব্রহ্ম। '' প্যারীমোহন শান। '' প্রতাপচন্দ্র হেম। " প্রভাপাদিত্য বর্ষন। ै '् श्रकात्र करे। " अमसक्यांत कीर्छ। '' প্রাণক্লফ ধন্মগুর্প। " প্রাণনাথ যশ। " প্রাণবলভ কুও। 'ুপ্রেমচন্দ্র শীন। ৰোক্টা কায়েত। " প্রেমনারায়ণ মাথুর।

ত্ৰীবিখনাৰ কলিয়া।

্ শ্রীকৃকীর চন্দ্র ভটনাগর। '' ক্ৰিভূষণ শ্ৰীবাস্তব। ्र वर्शीध्य मक्रमना। ি বংশীবদন ঐঠানা। ্ণ' বন্ধবিহারী মৌড়। **ं यमगठ्या क**र्ने। '' दनगोनी अन्नर्छ। ্র্বন্দীরাম কুলপ্রেষ্ঠ। প্রলভক্ত নিগম। " বলরাম বালমীক। '' বাঞ্বাম স্থাধন। " বাণীকণ্ঠ ঊনামা। (919) ' বাণীকুমার সূর। " दात्रानभीमाम निरम्नाभी। " বালকরাম বিশ্বাস। " वानक्षर भान। '' বাস্দেব পাঁ**জা** ৷ ें दिषत्रकृषः **र्वा**व । " विमाधक भूक्रकारेख। "" বিনায়ক বড়াল। " বিনোদবিহারী পান। "বিপ্রদাস পড়িয়াল।

'' বিশ্বস্তর সাঁতরা। '' বিখেশর সামস্ত ∤ '' विकृशम माँकूरे। '' বিষ্ণুরাম বাগাণ্ডী। '' বীরভক্ত কুঙর। মালী।-'' বীরেজনারায়ণ মামা : " বীরেশ্বর শেঠ। '' বুন্দাবনচন্দ্ৰ মালিক। " वृष्णावनदिहां श्री १७। '' रेककूशनांच करा। '' বৈদ্যনাথ দাস। " देवक्षवहत्रन भाग। टेजनी। ্ব ব্ৰহ্মকিশোর কুগু। " ব্ৰহ্মনাথ নন্দী। " ব্রহ্মবন্ধভ দেব। '' ব্ৰুমোহন প্ৰশি " ব্ৰহ্মানন্দ শেষ্ট। '' ভগবভীচরণ ছিলিমিলি " ভগবান্চক भोजा। ভেগীবৰ আল।

ভন্তী। গ্রীভবদেব দাস। " ভবানন্দ দত্ত। ' ভবানীচরণ দেব। ' ভবানীপ্রসাদ সেন। ' ভবানীশক্ষর সি<u>ং</u>হ (' ভরতচত্র পাল। ' ভাগবভচন্দ্র কর। ' ভারতচন্দ্র নন্দী। ' ভীষদেন শীল। '' ভুবনমোহন ভড়। '' जुवदनश्व हट्यः । '' ভূপতি আশ। ি ইন্ডর বচন্দ্র তোষ। 🕆 ভৈর্বীচরণ গুই। ' ভোলানাথ গুজুরি। ' মদনমোহন মারা। '' यथुस्रमन कुछ। " মনসারাম ভক্র। '' মনোহর লাহা। '' মহাদেব বীর। " महरुखनाथ ऋरे। র্ণ মহেন্দ্রনায়ণ রক্ষিত।

গ্রীমানিক্যচন্দ্র প্রাকৃনি। '' মাধ্বচন্দ্ৰ ম্কিড়। '' মাধবরাম শেষ্ট। ্মুকুটমণি বসাক। (মাদক। া মুকুন্দরাম ঢাকী। '' युकुन्सानन योहा। '' মুক্তারাম দাস। '' মুরলীধর ধাড়া। '' মুরুহর আশপতি। ^শ স্ত্যঞ্য বা**ষ**। ি মোহনচন্দ্ৰ মালিক। '' মোহনপ্রসাদ নাগ। " (याहिनीटमांहन शांती ''यरक्तमञ्ज्ञा नाष्ट्र। বারজী। " यज्ञमन नम्ही। '' ষত্তনাথ দেব। ' যমুনাদাস দত। " यटमामानम्बन कूछ। " যশোধর আশ। " योषवहस्य अरे। " यापदानक मूना।

क्रीवांबद्वस शान। ंकृगान। " বুগলভিলোর পাল। " যুধিষ্টির কুও। ''রঘুনন্দন চাক। "রম্বনাথ সিগিড়ী। কর্মকার। ে হতিকান্ত দাস। " अभागाथ मुख्य। '' বমাবলভ মাথুর। '' রজেখর সাহা। '' রুমেশ্বর শীল। " রুসময় বাঘ। " বুসিকলাল সেন। '' दशिक भारत कू हिना।। '' রাঘবরাম দেব। " রাজকিলোর গাছু। নাপিত। " রাজক্রক গাড়া। '' রাজনারায়ণ খটেন। '' রাজবলভ বাঘ। ' রাজারাম দাস। " द्रारकक्षनाद्रांमण द्राणी। গ্রীরাজীবলোচন চম্র । " রাধাকান্ত মার্মা। '' রাধাকিশোর লাহা। '' রাধাক্নফ বেজ। গন্ধবর্ণিক। '' রাধারমণ দক্ত। " রাধানাথ পাল। '' রাধাঞ্চলাদ সিংহ। '' রাধামধিব সেন। '' রাধামোইন দাস ৷ " রাধিকাদাস রুদ্র। " রামকমল কর। '' রামকানাই কুগু। '' বামকান্ত ভাদ। '' বামকিকর দাঁ। ্ৰ' রামকিশোর সাহা '' রামকুমার ছেঁক্চি ৷ '' রামক্লফ নাগ। '' ৱামগতি লাহা ৷ कश्मकात् । '' त्रांगदभा भाग प्रसा " ब्रायहस्य छहे। " जामहत्र (सर् ।

बित्रायकीयन मन्त्री। " রামতত্ব দাস। " ব্ৰামবৃত্তন নন্দন। चेनी। '' রামভোষণ কুও। '' বামদাস কুডর। ' রামতুলাল কেশ। " রাম্থন ভা। িরামনাথ পাল। ' द्रांबम्जिर्ह २४। ্র্যামনিধি পো! "বামপতি সাম। " द्रांभक्षभाग (प्रवः ভান্থলী।

'' রাখপ্রাণ সিংহ। 'রামভদ্রে বিক্তি। " রামমোহন দেব। " রামরত্র আশ। "রামরাছব গুহ। ্রমশকর কুও। র্শি রামশরণ কর। " রামদেবক পাল। ''রামছরি নক্টী।

श्रीवायानम भानार। '' বাহেশ্বর 🎺 🗗 । '' রাসবিহারী সেন। " ক্ৰিণীকান্ত সন্তৰ শঙাক'র ' कुकिनीनांथ हाँग। " কপচন্দ্র ভঞ। ' কপনাবায়ণ কুগু! ি রূপরাম দক্ত। ্রেবতী রুমণ চক্র। '' शस्त्राप्तत समी। " লক্ষা বস্ধা। रेक्वर्छ। '' नमीतांख नाम। া লখ্টীনারায়ণ হাঁচড়া। '' লাগবিহারী আদক। ' লেকিনাথ বাঘ। " 对新式 对打断! শক্তহ গোল। " শস্তুচক্র বারিক। '' শন্ত্ৰাথ সাঁতরা। '' শশিলেখর কলিয়া। ''শান্তিরাম মাড়।

গ্রীশিবকৃষ্ণ মারা।

- भ्वनंवनिक।

'' শিবচন্দ্র দেব।

'' শিবদয়াল দত্ত।

" শিবদাস ধর।

'' শিবরাম লাহা ।।

" শেভারাম দেন।

" अत्राप्त्रभूम्य नमी।

'' শ্যামাচরণ পাল।

" आर्थाशाम वर्षन।

" ঐকান্ত নাথ।

" औক্লণ চন্দ্ৰ।

" জ্রীদামচল্ড বড়াল।

" এ।নাখ আচ্য।

乎 ঞ্জীন 🖯 যাণ শীল।

" श्रीनिवाम मिर्ह।

" প্রায় দাস।

" গ্রীপতি দাঁ।

" ঐহির পাণি।

दिवश्री।

" औश्र्य त्रांत्रतात्रान्।

" ষষ্ঠীদাস কান্ত্ন গো।

" সদাশিব মজুমদার !

শ্রীসদানল রায়।

'' সনাতন চৌধুৰী।

'' সর্বানন্দ বিশাস।

" সরূপচন্দ্র শিক্ষার

্ সর্কেশ্ব দেওয়ান

'' সার্দাঞ্সাদ নায়ে

" সীভানাথ পেদ্কার

" সীভারাম কারকুন

" মুবলচফা হাত্যালা

" সুব্রহ্মণা করোরী।

" পূর্য্কুমার হা**জ**রা

" সৃষ্টিধর ব্যবহর্তা।

" হরকুমার সরবেশন

" হর5-ছল মাহাতি 🛵

"হরনারায়ণ পাটিও "হরলাল মুহরির।

" হরানন্দ মুন্সী।

" इतिस्ति वक्नी।

" হরিনারাণ ন।জীর

" হরিমোহন জ্বাদা

" इतिकट्य गृथों .

'' হরিহর লক্ষর।

" रदिक्षण चूँश।

[59]

बीहर्वानमं महित।

- ' হলধর খাঁ।
- হীরারাম সরকার।
- ' क्रमग्रांच मखन।
- স্থীকেশ প্রামাণিক।
- ' ক্মচন্দ্র ভবাপাত্র।

- ত্রীহেরস্বচন্দ্র মহাপাত্র। 🐣
- " ক্ষেত্ৰপাল ক্রম্ভোজী।
- " ক্ষেত্রযোহন অধিকারী।
- " ক্ষেমকর ফৌজদার।
- '' ক্ষেমচন্দ্র তর্ধনার।
- " (ক্মানন কেরানী।

সংখ্যা পুরণ বাচক।

| <u>্রপলা</u> | প্রথম | যোল ঞি | ষোড়শঃ |
|-------------------|-----------------|---------------|-----------------------|
| দোসর | ছিতীরঃ | সতের জ্ঞি | मश्चममाः |
| েত্ৰৰ ∤ | কৃ তীয়ঃ | আঠার্রা ঞ | অষ্ট্রাদশঃ |
| कोंग | <i>৷</i> তুর্থঃ | उनिमा | উনবিংশঃ- |
| extotia? | श्रुष्ट्रक्रमः | বিশা | বিংশঃ |
| इ म्न (धिष | বর্ভঃ | একইশ) | একবিংশঃ |
| <u> শৃত্ ঞি</u> | <i>ব</i> ন্তুমঃ | বাইশা | জাবিংশ : |
| विकित्त | অফ্টমং | তেইশা | ত্রয়ে বিংশঃ |
| ন্যুঞি | নব্যঃ | তৰিবশা | চ ন্দুবির্ভিশ্ |
| मश्रानिक | मन्बर् | পঁচিশা | পঞ্চবিংশং |
| এগার্ত্তি | একাদশঃ | হাকিশা | ষ ড় বিংশঃ |
| বার ত্রি | हाम नः | সাতাইশা | নপ্রবিংশঃ |
| েচরত্রি | ত্রোদশঃ | আটাইশা | ভাষ্টাবিংশঃ |
| চৌদ ঞি | চতুর্দ্দশঃ | উনত্রিশা | উনত্রিংশঃ |
| পোনের্জি | পঞ্চদশঃ | ত্রিশা | ত্ৰিং শঃ |
| | | | |

[55]

| मध्या | এ বং | B. 8. | Ś |
|-------|------|-------|---|
|-------|------|-------|---|

| | * | |
|--------------|-------------|-------------------------|
| এক | > | একঃ |
| <u> इ</u> ह | 5 | ন্বৌ |
| ভি ন | .\$ | ত্রয়; |
| চারি | 8 | দ ন্থা রঃ |
| পঁট | ¢ | প্ৰ প্ত |
| E İ | .% | ষট্ |
| সাত | 4 | मशु |
| व्यक्ति | 4 | कार्यः |
| स ब | ** | নব |
| zi sel | > c | * |
| এগার | 22 | बकार के |
| বার | 5 2. | E. Bal |
| ্ তের | >% | उ द्भाम ग |
| চৌদ্দ | >8 | চতুৰ্দ্ধশ |
| পোনের | >& | र्शक्षभूभ |
| নোৰ | 28 | ৰোড় শ |
| সতের | >4 | म् श्रम |
| জাঠার | . 34 | অফ দশ |
| উনিশ | 50 | উনবিংশ তিঃ |
| | • | |

| I | র্ভ |] |
|---|-----|---|
|---|-----|---|

| • | | |
|------------------|------------|-------------------|
| বিশ-কৃতি | २्० | বিংশুতিঃ |
| একুইশ | 25 | একবিংশকিঃ |
| নাইশ | \$\$ | দ্বাবিংশকিং |
| <u>(ভই</u> শ | হ্ ৩ | ত্রমোবিংশতিঃ |
| र, तितृष्ट | ₹ 3 | চতুর্নিংশতিঃ |
| of Fem | ₹₫ | প্ৰকবিংশতিঃ |
| 511.44 | হ্ছ | ষড় বিংশতি |
| মাতাইশ | 79 | সন্তবিংশতিঃ |
| M-5-12" | ₹₩ | অষ্ঠাবিংশকিঃ |
| GR. AM | दर | উনব্রিংশৎ |
| রিশ | 30 | ক্রি:শং |
| এক ত্রিশ | ৬১ | একবিংশৎ |
| रां कुम | ৩২ | वाविः भट |
| ্ভৰিশ | ೨೨ | ত্রগান্ত শেৎ |
| টোবিশ | ৩৪ | চতুবিংশৎ |
| প্ইবিশ | ૭૯ | পঞ্জালেং শং |
| ছত্রিশ | ೨ ৬ | ঘট বিংশং |
| সাঁই তি শ | 59 | স্থাতিংশ ং |
| | ઝ | অফাত্রিংশৎ |
| আট ত্রিশ | | উনচন্ত্র রিংশৎ |
| উনচ লিশ | ふ | @403 14/m/2 |

f no].

| | • | |
|-------------------------|-----------------|----------------------|
| U CONT | 34 | চন্থারিংশং |
| এক চ রি শ | ۶۶ | একচনারিংশং |
| বেয়ালিশ | हरू | দ্বারিং শৎ |
| তে শোলগ | 8.3 | তিহে।রিং শ্ |
| চৌয়ালিশ | 88 | ডকুসংসারিংশ <u>ে</u> |
| में हर जिल्ल | 37: | ाशः वातिः मध |
| (इ हांत्र) | 18 8 | প্রতির প্রারি শৃং |
| শ তচরিশ | ۶Ą | मशुः का जिल्मा |
| জাটিচরিশ | ક્રો ઝ ન | ज्ञक्षेत्रभारितः स्ट |
| किन श्रामा | 5,70 | 一方は かいまい |
| 4-38-46 | () * | MARINE. |
| একার | 25 | 2546,80 10/4 |
| াক্তরাম | 62 | विराज्यामार |
| <u>তিগপান্ন</u> | æ3 ` | The state of the |
| োয়ার | ¢ક | Males |
| প্রায় | aa | sixtellish's |
| ছালাল | ૯૭ | যটি প্ৰথ |
| শ্ভান | e o | সপ্তপঞ্চাশ |
| আটার | Cr | অষ্টপঞ্চাশৎ |
| উনবাইট | <i>(</i> =3) | উ ন্যক্তিঃ |
| | | |

| ~ | 93 | |
|---|-----|--|
| _ | J 9 | |

| | [93] | |
|-------------------|--|----------------------------|
| যাইট | শ্রুত | 310° |
| अक्स ि छे | ৬১ | धक्य हिन |
| राग है | ७२ | দ্বিধ কিঃ |
| <u>তেণিট</u> | కు ప | বিষয়ি: |
| ांचि दे | % % | চ ভুঃ য ি ঃ |
| रोक्स है | ७ ७ | প্রধাবফিঃ |
| ছ्वा ह | 35 | वर्षे विकेश |
| ाडग है | Ar any | সং ধ্ৰেষটিঃ |
| आहेगा है | 20 | ভাষা ধরি: |
| উনসভার | <i>ভ</i> % | উনসপ্ততিং |
| र देव | 4 | স্থ্যুতিঃ |
| शकास्त्र | 95 ' | अकर्शक िह |
| ন'ভহাত্ | ş 🗫 | चित्रशक्तिः |
| ভেন্ন ছিন | the state of the s | ব্রিস র্গতঃ |
| চৌৰাস্তৰ | 4> | ু <mark>কু দপ্ত</mark> ভিঃ |
| প্রায়ের | 44 | প্রক্ষান্তঃ |
| (ছয় ভুর | ÷ 30 | ঘটসপ্ততিঃ |
| <u> নাভাব্ত</u> র | લ લ્ | স গুস্থ কিঃ |
| অটি াস্তর | C ₂ - | পর্ফ সংয়তিঃ |
| উনতাশী | 42 | উন্শীতি |

| Î | بخ پ | j |
|----|------|---|
| Į. | ŧ ~, | |

| | [42:] | L |
|--------------------------|-------------------|---------------------|
| ভাশী | ひゃ | ভাশী ভিঃ |
| ্ৰক্শী | 62 | একাশীতিং |
| नित ^{्र} ी | b -2, | ঘ্য শীতি ঃ |
| <u>তিবাদী</u> | ट _{पर्य} | জাশীতিঃ |
| ोबानी | ७ ६ | চভূরশী ডিঃ |
| में हो भी | ৮ ৫ | প্রশৃশী(তঃ |
| দেৱাৰী | ピシ | ষড়শীতি, |
| म नाम | ક ્ષ | সপ্তাশীতিঃ |
| ভাষ্ট †গী | 17 15 | স্তাশীকি |
| डे ग्य के | au | উননবলিঃ |
| अहे- सक्त | န်ာ င | ন বহিছ |
| একানই | ८द | ্ৰক্ৰ ৰ তিলী |
| বিব। নই | ৯ ₹ | ছিন্ বতিঃ |
| क्ति। नह | 78.5 | জিন্বতি: |
| इत्होत्र न | ক্ষ | চড়েৰ ক্ৰিঃ |
| क हिं। | <i>5</i> (£ | श्यासर्गर्ग |
| ार ान हें | રું હત | ষ্থ্ৰতি |
| গাতানই | PG | সন্তানবহিঃ |
| कालेगिहै | 746 | অন্তনহতি: |
| बि रां नरे | ACI, | ন্ত্ নবৃতিঃ |

A 2 राजात ১০০০ সহস্র দশহাজার > ः प्राप्तः नाक プログロイヤ のはかださ ১০০০০ নিম্তং দশ্লাক Some real ATTES (A) ५० पर १८०० अर्से ५. দশকোর r কশ্ভকোর Free neer Sales , ०००००००० अर्जाः াজারকোর ' २८८५/६६६**६ निश्**र्काः দশহাজারকে র লাক, দাৰ S. Lecesconous Mait Jeers conceed MAL দশলাক্তোর একশগুলাকভোর ३००८ - १८०१ ४०००० मान्यः राकातनां का का うになるとくとなるとくなるとなる。 歌園で महाकातलाकरकांत ५ ०००००००००००० मधा

একং দশ শতিঞ্চিব সহজ্ঞ মসুতং তথা। লক্ষ্ণ নিবৃতং চৈব কেণ্টিরর্ক্তুদ মেলচ।। বৃদ্ধঃ ধর্কো নিথকশ্চ শঙ্খ প্রফোচ সাগরঃ। অন্তাং মধাং প্রার্ক্তি দশবৃদ্ধা যথাক্রমং।।

[48]

काल निर्णश

् अकृतिय हक्ष्णास्त्र कार्णत नाम निरम् । विविद्यं कार्षा, २० कार्षाट्यं कला, २० कलाट्यं क्ष्ण ७ कर्ण मध्यमा ७० विश्वला शल, ७० श्राल मश् २ मर्थ्य मृश्यं, २० सृशूट्यं विश्वा ७० मर्थ्य मिवा ताट्य ९६ विद्या श्रीका २ श्रीका किश्वा ७० मिटन मान, गारम श्रीष्ट्र- २ श्रीकृत्यं किश्वा ७ मारम खर्म २ कहर किशा ५२ मारम उरम्य दश्व।

বার।

রবি। সোম। মঙ্গল। বুধ। রহস্পতি। শুক্র। শা এবং রাজ ও কেওুর সহিত নবগ্রহ সংজ্ঞা হয়।

কিথি।

প্রতিপং। ছিত্তীয়া। চতুর্থী। পঞ্চা বজা। সপ্তমী। অকাদশী দেশমী। অকাদশী দাদশী। একাদশী দাদশী। একাদশী দাদশী। একাদশী দাদশী। একাদশী দাদশী। একাদশী দাদশী। একাদশী। চতুর্দ্ধী। পূর্ণিমা ও অমানশা শাদকলা হৃদ্ধি কালাবধি পূর্ণদ্ধ হেতু প্রতিপদা প্রতিশা পর্যান্ত ১৫ ডিথিকে শুক্রপক্ষ করে। এই চন্দ্রকলা হ্রাসভাবধি অদুখান্ত হেতু প্রতিপদা শাবসা পর্যান্ত ১৫ ডিথিকে ক্রম্পক্ষ করে।

[90]

মাস |

বৈশাখ। জৈতি। সাধাত। আৰু । ভাতা। আখিন। কাৰ্ডিক। অগ্ৰহায়ণ। পৌন। মাঘ। কাৰ্ডন। চৈত্ৰ। মান চারি প্ৰকার হয় সৌর; নাবন, চাৰু, নাক্ত্ৰ।

可奉通!

অধিনী। ভরণী। কৃতিকা। রোহিণী। মৃগশিরা।
আজা। পুনর্বস্থা প্রাা। অক্লেষা। মহা। পূর্ককল্পনী। উত্তরক্তনী। হস্তা। চিক্রা। স্থাতী।
বিশাখা। অনুবাধা। জ্যেষা। মৃলা। পূর্কাবাচা।
উত্তরাবাচা। অবণা । ধনিষা। শতভিষা। পূর্কভাজপদ। উত্তরভাজপদ। রেবতী। এবং অভিকিৎ
সহিত ২৮ নক্ষত্র হয়।

(यान्।)

বিশ্ব্ প্রতি। আয়ুমান। সৌভাগা। শোভন। অতিগণ্ড। সুকর্মা। ধৃতি: খূল। গণ্ড। রৃদ্ধি। প্রবা ব্যাঘাত। হর্ষন। বক্স। অসুক। ব্যতীপাত। বরীয়ান। পরিষ। শিব। সাধা। সিদ্ধি। শুভ। শুক্র। বন্ধা। ইন্ধা: বৈপৃতি।

[48]

7571

বব। বাল্ব। কৌলব। তৈতিল। বণিজ। গর বিষ্টি। শকুনি। চতুপদ। কিন্তম। নাগ। রাশি।

(समा द्रयः भिथुन। कर्का। मिश्य। कना। कुला। इस्टिक। पहुः। सक्द्र। कुछ। सीन।

ত্রীচলিত সংখ্যা হাচক শব্দের নাম।

কালত্রয়ের নাম। ভূত। ভবিষ্যৎ । বর্গুমান।

> গুণত্ত্রের নাম। বছা রজঃ। তমঃ।

লোকত্তমের নাম।

সর্গ। মত্য। পাতাল।

অবস্থা ত্রের নাম। বাল্যাবস্থা। যৌবনাবস্থা। রক্ষাবস্থা। অপ্রপক্ষে।

काजनवन्द्रा। स्युक्षावन्द्रा। स्थावन्द्रा।

ত্রিতাপের নাম। আধ্যাত্মিক। আধিতেটতিক। আধিনৈবিক।

> ় তিসন্ধার নাম। প্রায়। সধায়। পরাই।

চাগুয়ু ধোর নাম। সভ্যা জেওা। ছাগার। কলি। চতুকোদের নাম।

श्रक्। रकुः : माम । स्थर्भ :

চতুর্কিধ ভূত গ্রামের ন†। লবাযুজ। অগুজ। সেদজ। উদ্ভিজ।

চতুর্বদের নাম। তান্দ্রণ। ক্ষতিয়। বৈশু। প্তা

চতুকার্গের নাম। ধর্মা অর্থা কাম। মোক্ষা

हिंचू किंद का अध्यक्ष भाग। उक्काम्मा। भार्च सा। वानश्रस्थ। टेडका।

চতুর জিণী সেনার নাম। হস্তী। অশ্ব। রথ। পদাতি। এक रखी, এक तथ, जिन खार, शक्ष अमाजि, এक म् मञ्जूनतीत माम शिव।

ভিন পতির নাম। সেনামুখ।
তিন পেনার্থের নাম। গুলা।
তিন গুলোর নাম। গুলা।
তিন গাণের নাম। বাহিনী।
তিন বাহিনীর নাম। পুতনা।
তিন পুতনার নাম। তমু।
তিন চমূর নাম। অনীকিনী।
দশ ভানীকিনীর নাম। অক্ষেহিণী।

অতএব এক অক্টোহিণীতে ২১৮৭° হস্তী, ২১৮ বথ, ৬৫৬১০ অশ্ব, ১০৯৬৫০ পদাতি এতদ্ সমুক্ত ২১৮৭০ ।

চতুর্বিধ খাদীদ্রব্যের নাম।
চর্বা। চূবা। লেহা। প্রে:।
পঞ্জতুতের নাম।
ক্ষিতি। অপ। তেজঃ। সমুগ্রা ব্যোম।

পঞ্ৰিষয়ের নাম। ৰূপ। রুদ। গন্ধ। স্প্রি

পঞ্চ কর্মেন্দ্রিরের নাম। বাক্। পাণি। পাদ। পায়। উপস্থ।

त्रक्ष क्लाटम क्रिट्स व गाम।

5 জুণ। কুন। জিলা। নাসিকা। স্কৃ। এবং মন কান কোন মতে ইজিয়ের সহিত গণ্য হইয়া সমু-ত্ব একাদশ ইজিয় হয়।

श्रक्ष यद्यात नाम।

বদ পাঠের াম! ব্রহ্মযক্ত।

প্রাদি ভর্পণের নাম। পিতৃযক্ত।

দবপুজার হোমের নাম। দেবযক্ত।

নত্যপিগুদানের নাম। ভূত্যক্ত।

দতিথি পুজার নাম! মনুষ্যযক্ত।

शक्षाञ्चलित नाम।

প্রথম অন্তুলির নাম। অন্তুর্ত কিয়া হ্ছাস্থুলি।
ছতীয় অন্তুলির নাম। এদেশিনী কিয়া ভজ্জনী।
তীয় অন্তুলির নাম। মধ্যম।
ভূর্থ অন্তুলির নাম। জনামিকা।
পঞ্চম অস্থুলির নাম। কনিষ্ঠা।

[be]

শর্রিক্থ পঞ্চায়ুর নাম। প্রাণ। অপান। সমান। উদান। ব্যান। পঞ্চগাব্যের ন'ম। मधि। इस। लामूब। लामः। युष्ट। পঞ্চবাদের নাগ। সমোহন। উন্নাদন। শোষণ। তাপন। স্বস্থন शक्षकरामत् सीम । শতক্র। বপাশা। ইরাবভী। চক্রভাগা। বিত পঞ্রতের নাম। कमक। शीतक। नीलगां। शध्यतः अर्थाः। स्खः পঞ্ মকারের নান। मा। भारत। मदका मुखा। देमधून। পঞ্চবটের নাম। क्रम्थ। रिल्। दंह। शंजी। अत्माक। পঞ্জকের নাম। थाना। भूका। हिला २७। व्यङ्गर्रश। দিবসের পঞ্চাঙ্গের নাম! ু.বার। তিথি। নক্ষত্র। যোগ। করণ।

ভক্ষণীয় প্র্যুবসীর নাম। শশক। শলকী। গোধা। থড়রী। কূর্মা।

পঞ্ स्गदमत गाम।

লবক্ত পুষ্প । ককোন। অও:া জায়কল। কপুর।

পঞ্চািধ উপাসকের নান।

भाकः। देवस्थवः। देभवः। त्यांवः। भागश्रकः।

इस वटना माम।

गर्त। जवन। करें। किला अम। क्वांम।

রাজধত্তণের শাম।

সন্ধি। বিগ্রহ। খান। আসন। ছৈগ: আগ্রায়।

হয় ঋতুর নাম।

বসন্ত। এ। আমা বর্গা, শর্থ। হিমা শিশির।

ষজ রিপুর নাম।

काम। एकाथ। त्वांछ। त्याह। यम: बार्वा।

বিশেষ পথছেদের নাম।

গায়ত্রীছন্দ। উফিংকছন্দ। অনুষ্ঠ, পছন্দ। রুহতী ন্দ। পংক্তিছন্দ। তৃষ্ট, পছন্দ। জগতীছন্দ।

[68]

मुख्यात्व माम।

নিষ্ট। ঋষ্ড। প্রার্থ স্কুল স্থাস ব্যবত প্রথম।

সপ্রতীপের নাম।

जंबूणील। माकजील। मानाणियोल। कूमबील क्लोकक्षेत्र। त्यारमकचील। शुक्रवयील।

भन्त नम्द्रत नाग।

लत्। रह्म । हेक् मस्छ । छ्ता मस्छ । एक महुर एपि मस्छ । हुक मस्छ । कल मस्छ ।

देई मखालाक्टर गाम।

स्तित। प्रतिक। श्रामित। भश्तिक। श्रामित। श्रामित। स्थानिक। स्थानिक।

याया मश्रात्वादकत नाम।

অ্তল। বিভল। সুতল। তলাতল। মহাতল রশক্ষি। পাতাল। এতদ্সমূদ্যে চতু**দিশ ভূবন** হঃ

मध्यवित नाम।

नतीष्ठ। **जाँ**वा जाँकता। त्रूनका। त्रूनक। कुंडू दिनके।

অষ্ট লোহকের নান।

স্বৰ্ণ। বজত। তাল। রঞ্জ। সীস। কান্ধণোহ। ভূলোহ। তীক্লো:

अक्षिक इटमत अप्र

শৃক্ষার। বীর। করুণা। অদুত। হাক্স। ভ্রমানক। বীভংক্ত। রৌক্র। এবং শাস্থিরদের শহ্ত এতদ্বযু-দয়ে নব প্রকার রশ হয়।

वरोनिक् भारतत गाम।

हेस्तः । रहि । शृक्तिशक्ति । देनश्राक्ति । सङ्गरः । १ ८वतः । क्रेमा

अधिनसूत्र नाम।

্ধর। ধ্রুব। সোম। সাবিত্র। জনিব। জনব। গ্রন্থা প্রভাস।

नवगर्दत नाभ।

ভারতবর্ষ। কিল্পরবর্ষ। হরিবর্ষ। কুক্লবর্ষ। হির-থায় বর্ষ। রম্যক বর্ষ। ইলারত বর্ষ। ভজান্স বর্ষ। কেন্তুসালবর্ষ।

मणिएकत नाम।

भूक्तं। अधि। प्रक्तिः। टेनश्च छ। शक्तिः। वाश्रू। উত্তর। ঈশান। अधः। উर्क।

াজিনার পাঠ।

. 😁 ৣ । दालक मिरशह कर्दनः अर्थः ।

তোমরা জনক জনলীৰ প্রতি একলি অকি ও শ্রহ করিবে শুক্রি ে শির কিলা গে কোন ক ারিকে আক্রম ভারত তাশাই তথ্য-গাও করি: डिंग्डोर: यमानि क्लीन निषय क्या स्टाशक्तिगर জ্পুসনা কিছ। আজ্না করেঁন তথাপি ভাঁহাদিতে এতি দুর্কাকা কহিবে না, ভাহারা তোমাদিণে জন্মারণি অসহ ব্লেশ বছা করিয়া, এবং লোভস্থ গ্রহয়া তোমাদিগকে লালন পালন করিয়াতে গবং যথা-বিধানভিক্তমে তোমাদিগকে তা**বং ক্লি** শিক্ষা ক্লাইয়াছেন, আৰু তোমারদিগের আন্তা अञ्चलका प्रकृषः अत्राद्धः निक्छे अधिन। करतः ক্র-এর এমত পিতা মাতার প্রতিসর্কল। কার্মনে ाह्य एकि । भन्न कतिरा।

কোলো জাতা ও ভাগনী দিগকে সকলা কে কার্ডে আহাদিগের প্রতি কদাচ কটুক্তি কি আছ্না আর্বে না এবং কোন বিষয় জন্য তাই দিগের সহিত কলহ করিবে না, যদ্যপি তোম দিগের কোন অভিল্যুত দ্রব্য তাহারা গ্রহণ ক ভথাপি তাহাদিগের প্রতি কোপ করিবে ন। এক তাহা বল-পূর্বক লওনের চেষ্টা পাইবে না। গুরু লোক এবং বমোজোর্ছ বাক্তিদিগকে দেখিয়া সমা-দর ও মানা করিবে এবং জাজীয় ও প্রতিবাসী এবং বন্ধুবর্গের সহিত কদাচ বিবাদ করিবে না, সকলের প্রতি প্রীতি রাখিবে, ভাহা হইলে স্ফ্র-জনের প্রিয় পাত্র হইবে।

যে বিষয়ে ভোমাদিগের কোন সম্পর্ক না থাকে
চাহাতে ক্দা্য কিন্ চইতে না, পর এবার প্রতি
কথনো লোভ করিবে লা এবং কাহারও দ্রব্য অনুমতি
গৃতিরেকে স্পশ করিবে না, এবং আপন ইক্ছাতে
সনোর একটি সামানা দ্রবাও গ্রহণ করিবে না।

ভোমরা মিথা কহিবে না, কারণ অনৃত
থনে ইংলোকে অপমান ও পরলোকে ক্লেশ
।ইতে হয় অতথ্য সর্বদা সত্য কহিবে, যে কোন
বিষয় প্রস্তাব বর্ণন করিবে তাহা যথার্থ
পে বলিবে এবং যে ৰূপ শুবণ করিয়াছ তদমুারী বলিবে স্বারোপিত বিষয় কদাচ কহিবে না।
তোমরা কোন বিষয় স্বীকৃত হওনের পুর্কে উত্তম
পে বিবেচনা করিবে যে আমরা এ বিষয় নিপা

প

দন করিতে পারিব কি না তবে প্রতিশ্রুত হইবে যেহেতু স্বীকাব করিয়া পশ্চাতে প্রতিপালন করিছে না পারিলে মিখ্যাবাদী হইবে ক্রম কোমাদিণের কান্যে স্বার কেহ বিশ্বাস কবিবে না।

যদাপি তোমর। কোন গণিত কর্ল কর তথাপি জিজাসা করিলে অস্বীকার ঘাইবে না, কারণ তব বাদীকে কেহ অপমান ও অশ্রদ্ধা করেন না এবং শা স্থ্যেতেও ক্ষিত জ্বাছে যে সত্যের সমান জার প্র নাই ববং দত্য হইতে প্রকৃষ্ঠ বস্ত জার কিছুই নাই।

তোমর। সর্কাল সুশীল ও শান্ত চইবে কাহাকে:
প্রথ বাকা প্রয়োগ করিবে না, কারণ ছঃশীল ।
কাটভাষী বাজিরা কথন কাহারও প্রিয়ভাজন হ
না। যদাপি ভোমরা কোন আর্থিত তব্য না পাও
ভারিমিত্তে কাহাকেও বিরক্ত কিয়া কাহারও প্রতিকাধ করিবে না।

তামনা রদ্ধ ও বিকলাস কিয়া ব্যাধিগ্রন্থ ব্যক্তিত দেখিয়া কবনো উপহাস করিবে না, এবং কোল নাজির ছংখ দেখিয়া আহলাদিত হইবে না, বর ভাহাদিগের ছংখ মোচন জন্য ভোমাদিগের পিড কভাকে কহিবে। ভোমনা জীড়ামোদে মন্ত হইঃ নিষ্ঠ্র বালকদিগের নাখি পশু পশ্চি কীট পত জাদি হত্যা ক্রিবে না, এবং তাহাদিগকে কোন একারে যাতনা দিবে না।

তোমর। কথন গুকরিত্র ও অসং বালক্দিগের সহিত আলাপ করিবেন। যদি তাহাদিখেব শহিত সংবাদ কর তবে সেইজপ তোমাদিগেরও ব্যবহার হইবে, এবং সকল লোক তোমাদিগকে অনাদর করিবে।

ভোগরা শিক্ষাঞ্চলর প্রতি সর্মনা ভক্তি রাখিবে তিনি যে ৰূপ আজা করিবেন সেই ৰূপ করিবে এবং বিদ্যাভ্যাসের নিমিন্ত অভিশয় শ্রম করিবে প্রত্যহ নিয়মিত কালে পাঠশালায় যাইবে সে ছানে বালকদিগের সহিত কলহ কিয়া বিবাদ করিবে না মনোযোগ পূর্মক এক স্থানে বসিয়া পাঠাভ্যাস করিবে।

তোমর। গুরুলোকদিগের নিকট কথন চাপল্য প্রকাশ করিবে না সর্বদা বিনীত থাকিবে এবং তাঁহারা যে যে গ্রন্থ অধ্যয়ন করিতে আদেশ করেন তাহাই,অভাাস করিবে।

[180]

্মকার্থ শ্রাবলি।

| (M) M | #160 t | আ ৰিভ | ♣ ♣ 1 |
|-------------------|-----------------|--------------|--------------------|
| ্ম: ,. | 考看 】 | ্সিত | क्रकारनं - |
| · 例 6. | जार काल। | অশ | ঘোটক। |
| ज य | विभागतितम्। | এ স্থ | निधन। |
| ভানিশ . | गर्वमा । | অশাম্য | क् म-ो ग् : |
| उनीम | अश्री। | অস্থাম্য | ভাক মিহ্র। |
| ্বনিষ্ট | भगः। | পাৰু | कामः। |
| A Print | অস্থেশ করা। | আৰু | অবেতন ৷ |
| .ল. গেরি ছ | কণ্ণিভ। | ৰাপ: | পণ্বীথী ৷ |
| क्ष्यम् छ | ्रक्षित्रभूहर । | जाभन | क्षीय । |
| <u>শ্বাস্থ</u> | अरेनका। | <u> </u> | ভূমিক।। |
| ः इसी | एम्भविटन्य। | আভাস | भृष् । |
| सश्जिष | ভাজনাগোলা। | আশাল | इक्तरिश्व। |
| अभूतीम | विकुत नाम। | আসন | বসিবারস্থান |
| A | ভোজন। | আশা. | আকাজ্ঞা। |
| ज्यम्ब | क्ष विरम्य। | আসা | আগমন। |

| আশী | ভোক্তা, অহিদন্ত | ঋত | স্তী। |
|----------------|-------------------|-------------|-----------------|
| আসি | গমন করি। | রীত | বাবহার। |
| আশু | অশ্নীয়। | করি | কর্ম করি। |
| আশু | মুখ। | ক রী | হস্তী। |
| ভাত্ৰ ব | অঙ্গীকার। | কৰ্মণি | त्रूश्मानी । |
| ভাত্ৰৰ | ক্লেশ। | কৰ্মণী | इक्तवित्यम् । |
| জাহতি | হোম। | কশা | কোড়া। |
| আহৃতি | নিমন্ত্ৰণ। | কৰা | কটুরস, রূপণ। |
| ইতি | সমান্তি। | কশের | মেরুদণ্ড। |
| ই ডি | উপদ্ৰব বিশেষ। | কমেরু | কেশুর। |
| ইয | আশ্বিনমাস। | ক্ষ | কষ্টিপাথর। |
| ঈশ | মহাদেব। | কস | মুখেরপ্রাস্কভাগ |
| উৎকুট | हिल्इहेन्न। स्थन। | কথ্য | অশ্বের মধ্যভাগ |
| উৎকৃট | इ.ब.। | কথ্য | কাহার। |
| উরু | বিশাল। | কণ | मृक्य । |
| উরু | উরৎ। | কৃণ | শस् । |
| ঋণ | ক জ । | | ঘট কলসী। |
| রীণ | করিত জলাদি। | | অন্ত্ৰবিশেষ। |

| কারি | ক্রিয়া। | कूषन | মন্দ ব্যক্তি। |
|----------------|----------------------|-------------|----------------------|
| কারী | বৃশ্ধবিশেষ। | कृषन | পক্ষির ধ্ নি। |
| কাৰ্না | कीवना। में | কুণি | ভুঁতগাছ। |
| কাৰ্যা | भागकका। | কুণী | নথকুণী। |
| কাঞ্চি | কামদেব। | কুল | बश्म। |
| কা ফী | শতাবরীলভা। | কুল | नमीठीत। |
| কাশ্বলি | সুর্ব্যসারথ। | कू नि | হন্দ্র। |
| কাশ্বপী | পৃথিবী। | कू नी | কন্টকারিয়ক। |
| | জুণভেদ। | কুলবভী | ऋगीलाओं। |
| | রোগবিশেষ। | কুলবভী | नगी। |
| কিবাতি | | খাটি | ४ डी। |
| "করাতী | | খাটী | एक । |
| কিরি টি | हिस्ति कत। | খুর | শক। |
| কিরি টী | असून। | শু র | নাপিতাক্সভে |
| | নিশ্চিত। | धूषण | কাশন। [করণ |
| | শক্কু। | धूमन | শশুপরি দ্বার |
| कू किल | প্ৰকি ৰিশেৰ ৷ | शिष | শ্যাবিশেষ। |
| कू की ल | পৰ্মত ৷ | शिषी | বিষ্ণু। |

| | ľ | [زم | |
|----------------|-----------------|------|----------------|
| গবাখ্য | গোনামক। | জরী | र्कीर्ग । |
| গবাক | বাতায়ন। | পরী | षरदांशयुक्त। |
| ঘৰি | ঘর্ষণ করি। | জড | মূক। |
| ্ ঘ্নি | ভে'জন। | यफ़ | मिश्च । |
| 514 | क्षिकर्मा : | জতুক | हिंकु।[वित्नय। |
| 1 | शंकितिरम्य। | यकुक | শतीरतत हिन् |
| ্চর | रहका स। | শ্ব | বেণ । |
| গীর | कीर्व राज्य थे। | যব | क्रिशांना। |
| \$ 00 m | গ্রী চিহ্ন। | জবন | ত গয়কু অশ্ব। |
| 5.0 | थ्डहन । | যবন | भाष्ट्र नाडि। |
| रूड़ी | গ্স্তাভরণবিশেষ | জাচন | জ্বস্ধান। |
| হরি | তক্ষর্তি। | যাচন | িক্স করণ। |
| इश | नित्रव। | জাতি | বর্ণ, কুল। |
| ग्रंथ | वम्न। | যাতি | গুম্ন |
| জনি | উৎপত্তি। | জাতি | कूल। |
| बनी | भीमखिनी। | জাতী | श्रेष्णांवरमय। |
| জ্রণ | हिश्व । | জাত | জন্মবিশিষ্ট। |
| ज् त्रम | इफ्र। | হাত | গত। |
| | | | |

| লা তু | ক্পাচিএ। | नगा य | চ ন্ত । |
|----------------|----------------|--------------|----------------------|
| | ভ্রাক্স। | नगाय | রামণ্ড |
| क्षान | कूर्वी । | मुन् | जश्शा विदयस |
| देश | ट्राइन्। | मृज् | उट्टाक्स्यन |
| ভাপন | विवयम् । | দার। | ভার্ম। [শব্দ |
| যাপন | कालस्क्रम् । | দ্বারা | করণবোধার্থ |
| ক্ৰাম | नश्कलः | माति | विमादक । |
| গা†ু | अ र्त । | मातै | गाणिकांत किस |
| দার | উপপতি। | माडि | বিদারক। |
| শার | যাহার। | हाती | ভারপাল। |
| ्धग्र म | ভোজন। | मान्त्र | लेखा। |
| ,गग्रम | যে ৰূপ। | मास्य | मानव्य |
| ভাক | কশপ্রনি। | फिन | फिरुश । |
| | গ্রুড়। | फीन | कुःथी । |
| ভুগ-ছুফ | ৰ ধান্যত্ত্। | • इ न | ছিগুণ। |
| ভূম | আনন্দ। | | পথ শ্ৰ ি |
| তক্ | প্ৰয়ন্ত। | দেশ. | क्रमभूष । |
| ভুক্ | চৰ্ম। | ছেম্ব | विश्या । |

| দেশ্ব | নেশীয়। | निगान | ব্যার। |
|-------------|----------------------|----------------|-----------------|
| ছেম্ | শক্ত। | निगान | স্বর্থিকেন্ড। |
| দুকী | দৈত্যকৰ্মে নি- | ্র ঞ্জি | পাইছ। |
| জুৰ্ণত | কিবণ [মুক্তান্ত্ৰী | সঞ্জী | পঞ্জিক। |
| ূ)ক | गर्हायः । | প্রি | উপসর্গবিশেষ |
| শক্ত | भाक्ति | প্রী*- | দেবযোমি। |
| দৈব্ | शृन्त्र[हिम्मक्तिक्। | প ৰুষ | निष्ठं इ तकः। |
| দ্বিক্ | 'वंश: | প্ৰহ | कनिद्रस्य। |
| দ্বিপ্ | হস্তী।[ফীতস্থান | | প্ৰভূ |
| দ্বীপ | চতুৰ্দিকেক্লাবে- | | গভনশীল। |
| ধনী | धगत्रंग्र (| পিশী | জটামাংনী। |
| ধ্বনি | শक्⊹) | পিশী | পিতৃপ্ৰসা |
| તના | কৃতক্ষা। | পিতা | জনক। |
| તસ્ | ধনুক। | পীতা | হরি তা । |
| নাশ | स्बरम् । | পুর | গৃহ। |
| নাস | समा । | পুরঃ | অগ্রহঃ। |
| सून | তৰ্ক । | পুতিক | विष्ठी । |
| सून | উন । | পুতীক | शक्तमार्कात |

| পুন: | ভিতীয়তার। | বারি | জন। [র জ্ র |
|------------|---------------|--------|--------------------|
| পুন | নম্ট। | বারী | হন্তিবন্ধনার্থ |
| | कंगिश्टम्ड् । | বারিশ | ৰিকু। |
| | जाविश्रशी । | বারীশ | সমূত ⁱ |
| প্রক্র | | বারুণি | मुनिद्दाभः । |
| প্রক্র | | বারুণী | मन्द्रिः । |
| প্রভাগ | করুবিশেষ। | বানদি | भूषः। |
| এক স | তীর্থবিশেষ। | বানদী | यानकर्षि। |
| প্রশ্ব | প্রপর দিবস। | বিপণি | ह्हें। |
| প্রস্থ | প্রধন। | বিপণী | वर्षिक। |
| ব্যক্তি | মিখাবাদী। | বিনাশ | ধ্বংস। |
| বক্তী | বাঁকা। | বিনাশ | গ্ তন ্সিক। |
| নণ | শ্বা | বিশ | সংখ্যাবিশেষ। |
| ন ম | অরণ্য | বিব | গরুল। |
| বৃদ্ধি | বশ্বতা। | বিশ | मर्था विस्थान |
| বৃদ্ধী | ক্লিভেক্রিয়। | বিশ | |
| কামণ | ' ' | বিশদ | নিৰ্মাল। |
| কামন | | -বিষদ | বিষদাতা। |

[ac]

| বিধি | ব্ৰনা। | ভাষণ | कथन। |
|-------------------|----------------------|---------------|-------------------|
| বিধী | বিশিকবুদ্ধি। | ভাসন | जल्लिजामा। |
| বিনা | বান্ডিরেক। | ভাশুর | পতিরজ্যেষ্ঠভ্রাত। |
| বীণা | বাভ্যম্ববিশেষ | ভাশু র | দীপ্তিযুক্ত। |
| বু [†] ড | প্রাচনাপ্ত। | ভাষা | কথ্য,গ্ৰন্থ বিশেষ |
| বু ড় ী | রন্ধাস্তা। | ভাষা | প্ৰকাশ্ব। |
| বুলি | खे ^न छहा। | ख्रीय | ভ্ৰমণ। |
| বুলী | जोसः। | स्थी | ভ্ৰমবিশিষ্ট। |
| কুশ | म्बिक । | ม ม | চল্লিশসের। |
| কুশ | मार्थः । | ม ม ะ | অন্তঃকরও। |
| बकत्य नि | পুৰুত্বিশেষ। | মতি | বুদ্ধি। |
| बकत्य नी | ভীৰ্থবিশেষ। | মতী | পক্ষপাতী। |
| বাশন | বিগ্তা্শন | মহিধ | পশুবিশেষ। |
| ু বাসন | ভুখে | মহীশ | ভূপতি |
| ভঙি | তরক্ষ। | মালি | রাক্ষসবিশেষ। |
| ভঙী | শির্বীষরক্ষ। | মালী | ফালাকাব। |
| ভ ष । | কুকুরেরশন। | মাৰ | कलाहेविट्रमंख। |
| स्नन | ভ্রমর। | মাস | मारु, माल्य। |

| মিল | अश्टयांश । | 30 | कलान |
|--------------------|-------------------------------|---------------|------------------------|
| भील | कानन। | সং | উপসর্গবিশেষ ৷ |
| मृत्तः | ্গদা। | শক্ট | নাজী। |
| भूगस | কণ্ডনীদ্ভা | দক্ট | শা ৰ ড়াগাছ। |
| : রে†ছি রোহী | तीक । रहेद्रक । | শ্কল সকল | मे ख । मर्का |
| नवः। | কার। | শ্ <i>ক্ত</i> | দুড়। |
| लस्म | ছেদন। | সক্ত | আগতা |
| লসিক। | लाल। | শরুৎ | বিষ্ঠা। |
| লসীকা | हेक्ट्रा | সরুৎ | একবার। |
| শক্রি | রুষ। | শঙ্গর | ুমহাদেব। |
| শক্রী | ছন্দে!বিশেষ | । সঙ্কর | বর্ণসঙ্গরজাতি। |
| मार्ग स्ट्रा | ধান্যবিশেষ। | শ গু | শাপ্তান্ত। |
| सम्द्री | ভাষ্যারভাগ্ন | ী সগু | সংখ্যাবিশেষ |
| - M/M | ধান্যাদিরশীর্থ মুখলক্তিশ্য | | मृज्यम् । गर्कः ! |
| শৃধ্ | বৃদ্ধি। | শবর | মেচ্ছাতি। |
| শৃধ্ | কুৎসিত। | সুবর | • স্বিল। |

| াবল | ভন্মবর্ণ। | শাক | লতারক্ষবিশেষ। '' |
|--------------|-----------------------|------------|------------------------------|
| াবল | বলবান | শাক | শহিত্য |
| শ্বম | মেক্। | শাখ্য | मार्थ†तस्कीय। |
| শ্বম্ | সমান। | সাথ্য | नकुष्र। |
| (NE) | শান্তি, ধারতা। | শাট | বস্ত্রবিশেষ। |
| | স্থিবতা। | সাট | সংগতা। |
| ণ্মির | শ্ৰীগড়ি! | শাক | सूर्थ, क्रन। |
| সমির | বাষু : | শাহ | मध्यादिसम्। |
| শ্মীক | भूभि बिस्मय। | শাণ | শাণপাথর। |
| সমীক | मृक्षा | সান | চৈতন্য। |
| শ্র | ব†৭ | শাপ | ञाजितम्श्र†ङ । |
| সর | সরে†বর । | সাপ | नर्ल । |
| শ্রণ | ৰক্ষণ। | শামনী | मक्किंगिक्। |
| সরণ | গ্ৰহ্মন। | সামনী | शक्ष्यक्षनार्थत्र क्क |
| শরা | শর (ব.) | শিত | कुर्वन । |
| সরা | निর্ক্ত | শিত | एकुर्वन । |
| नर्क नर्क | শিব। সকল। [ঝ] | শির সীর | निता। प्रशा |

[**]

| শীন | অজাগরসর্প। | ভা রণ | কর্ণ। |
|------------|---------------------|--------------|---------------|
| সিন | শুকুগুণনিশিষ্ট। | শ্রহণ | ক্ষরণ। |
| শীতাঞ্চ | শীতলঅঙ্গ। | শ্বগণ | কুকুরসমূহ : |
| সিত্যক | শ্বেতরে†হিত্যৎস্থ | স্বগণ | আখীয়বন্ধ : |
| খুক | শুয়াপোক।। | শান্ত | শান্তিযুক। |
| <i>মুক</i> | বাণ, বান্ধু। | স্থান্ত | সমঃ। |
| শুকু | মাংগ। | শ্বান | क्कत्र । |
| সূক্ | বেলেফি ডোর । | স্থান | भूकत्र । |
| ग्वन्त | পশুবিশেষ। | সঞ্ | क्षर्। |
| स्वत् | সুসাধ্য। | স লু | अगवित्यम् |
| स्त्रीत | শুন্ধ । | গিতা | শক্রা। |
| स्ति | সূত্ৰ | শীতা | জ্বীরামপত্নী। |
| শূম | क्र्रप्राः। | मूक | পুজ। |
| শূম | कीत्र,जन । | सुक | সাবাধ। |
| त्य मी | কুকুর । | মুতী | পুজবান। |
| "स्मी | ব্যাধ। | মুঠি | জনন। |
| শোণা | त्नानवर्ग। | মূতা | कन्ता। |
| সোণা | स्रन्। | মূতা | स्व। |

[66:]

ভাষার এক প্রদৈশিক সঙ্কেত।

| আং | আসামী। ইস্তক | até. | मामनः माथिल। |
|----------------|-----------------------|-----------------|--------------------|
| ₹° | हैताजीः हेमानी, | पि९ | मिश त्र । |
| উং | উন্ধুক। উত্তর। | নং | নগদ, নম্র। |
| . | ওয়াসিল। বিস্তী | श्र | প্রগণা। পশ্চম। |
| 130 | কিসমত-কিন্তীবন্দী | भू ^ए | श्राम्छ। |
| কৈ? | কৈফিয়ত। | পুং | शूर्कि कि |
| গঞ্জ, | भक्तिशिवामि । | rito | পাইক। |
| & < | গুজবত। | Cura | পেয়াদা। |
| छ ९ | চলিত (| €¥° | 의지 : |
| ाँ, | हट्छा श्रीभाष्य । | ফাং | ফার্জিল। |
| লং | हानान्य होक्य । | टेकः | कतिशामी। |
| চি: | िहेती। | বং | বকলম, বরাবর : |
| अग्र | জামিন: জানিব। | বন্দ্য | वत्काशिशाशं। |
| জিং | জিশ্বা; জিনিস। | বাং | वोक्रांनाः वावारः |
| (4) | क्र्यूल। | বিং | বিতং। বিমক্তিম। |
| জেং | ्कल । | ৻বং | বেশ্বিন। |
| ত ং | তরক; তকসীল। | মং | মপ্তল; মবলগ। |
| তাং | তারিখঃ তালুক। | মাং | মার্কত;মাস্কল;মাহ। |
| म ९ | मञ्जनः मक्तिनः मूत् । | মুখ | মুৰ্থোপাধ্যায়। |

[> 0]

মোং মোকাম। সং সংজ্ঞমা।
মোং মৌজা। সাং সাকিন্ সাকী।
যোং যোতঃ যোড়া। হাং হাওয়ালাত।
লাং লাগাএৎ। হিং হিসাবঃ হিস্সা।

ক্ষ কার ভেদ।

জগন্ধাথ জগনীশ জয় জনদিন।
জোতির্ময় জগন্ময় জঙ্গম জীবন।।
জনক জননী জন্ম জাহুবী জয়ন।
জীগ জর জালা জঙ্গা জব জরা জন।
জগন্ত জরায়ু জ্ডা জদুক জণ্পন।
জীবকা জিগীয়া জোধু মা জলদ জন্তন।
জায়া জিহুৱা জলোকস জল জাগরণ।
জীবক জমীর জার জাম জা। জঙ্গণ।
জাপা জড় জাতীকল জয়ন্তী সহন।
জনতা জক্জর জাতি জঙ্গল জবন।
জতুক জাতুক জন্ম জয়াল জপন।
জবস জিহুলায়া জন্ম, জারজ জিহুন।।

জাষ্ঠ জোতিব জাসাল ক্ষেত্ৰন জামাতা সঠর ভৈন জালিক জাপন।। जीपूछ खनायकर करें। करें। जुड़े। वर्ग ककातामि भन जाया क्रज्यहु है।। भर्ताक्य छेट्यक्न छेशार्कन चूछत मुजब कुकन तस्क्रम। ব্যঞ্জন বাঞ্জন ভাজন ভাজন : द्रवनी राकीत उक्कनी ठक्कन। প্রজন কংগ্র অর্ন গ্রহন। তেজন মঞ্জন বছক ুক্ত ন। मञ्जून वंज्यून कन्छन प्रश्नम ্রজত কিঞ্জক থজুর থঞ্জ ገ ধনঞ্য মৃত্যুঞ্জয় বিস্তু ন विकश्र कृष्ट श अकश्र गांड न। অজগর পঞ্জর ধুর্জটি ভঞ্জন। যোজন মজ্জন ভর্জন গঞ্জন।। পারিজাত য**জ্মান নিয়ে**।জন।

শব্দমধ্য স্থিত জ ক্লত বৰ্ণন ।৷ পুজা পুজ। রাজা রাজ। ভুজ বাজী গক। ভোজা विक मुक्षा निक लक्का अका तकः॥

বিজ্ঞান তিজঃ বীজ মজা থঞ্জ কুজ।
রক্ত্র রাজ বিভঞ্জ কালভ সক্ত জন্ত।।
আত্মজ শৈলজ কুজ সরোজ পদ্ধজ।
কুঞ্জ পুঞ্জ রঞ্জাদয় পদান্ত বর্গজ।।

ণকার ভেদ।

গ্ৰ প্ৰ প্ৰ মুৰ মাৰ মোৰ শাৰ। পক্ষণ কন্ধণ কিণ বেণু কোণ কাণ। কল্যাণ টঙ্কণ এণ ভণ ত্রণ ভূণ । ্চিক্কণ আপণ অণু মৃড়স্কণ হুণ।। নিপুণ মৎকুণ স্থা সিঙ্বাণ লবণ। উল্ণ সিংহাণ কণ নিকাণ স্কণ।। অঙ্গণ নিৰুণ লোণ কণু কিণু পণ্য! ্যোণা বেণী কণা কুনি কিন্ধিণী লাবণ্য স্থাণু বাণী চিকণী বিপণি চিন্তামণি । পাণি বীণা ভূণী কণী কুবেণী কফোণি পিণাক কৌণপ মণিমগুপ চণক। শোণিত কুণপ পাণ চাণুর আণক॥ গগণ কাৰ্ত্তণ আদি কতিপর। মতান্তরে দক্ত ন জানিবেক বিশ্বয়।।

£ .200]

শকার ভেক্স

শিব শুভ শস্তু শুন্ত শঙ্কর শবর। 🗀 🦈 শিলা শিলী শুল্ফ শুক্তি শলাক শন্ধর।। শশান্ধ শাতাংশু শশী শর পূব শীর। শিশির শর্করা দীধু শেখন শরীর।। শোচিঃ শুচি শুদ্ধ শিষ্ট শোভা <mark>শোভাঞ্জন।</mark> শাস্ত্র শত্ত শেক শালুর শাসন।। শান্ত শান শৰ্ম শত শিত খেত শুক্র। ন্নথ লেন লপ্ত স্বয়পু স্লক্ষ্ণ লক্ত ॥ निलाफ़ मलल नाही लुकी माठ मला। শাখা শিখা । শৰী শঙ্ক শিখণ্ড শাণ্ডিলা। শোক শৈব শেফালিক। শকর শালুক। শুক শুন শাক শাকা শক্ট শমুক।। শমন শরভ শুভ শ্বভ শালি শ্না। লাঘা শীষ শিগু শিশু শ্বশুর শরণা।। শামল শাভল শৈল শকল শাৰ্দুল। শকুল শিথিল শীল শেল শক্তি খূল !! শক্ত শক্তা শিক্ষা শারক শ্রং। খ্ত শাদ শটত শিতি শ্লীপদ শরৎ।। मरिनः मीर्ग त्यांग मया। मिक्षा निका मनि। শাষ শিষ শম্পা ক্লিত্ৰ শকুন্তি শকুনি।।

विवास विवास भाग रेग्डान की कता। শ্ম শ্মী শাশ্রু শ্রু খ্রুণান শীকর। , भेर एक श्राप्त गूर्न शालक भवत। माम्बंड मिलीका भीख गर्सना गरन।। আতি অম তেয়ে তেন অহ। তাতি তেওঁ। শুকর শুগাল শৃঙ্গ শ্লোক শৃণি শ্রোণী । অপিতা আবেণ আনত মাবণ স্কার : শব্দ আছো ভাষা পত্তে তালক শক্র।। কেশন ক্ষাপ কথার আশ্রা। অশোক কৌশিক দর্শন আশয়।। কুশল কশাল আশাস নিশ্চয়। हेनीत काचीत विश्वाम मध्यस्य। নিশিত পিশিত কলের দশন। 🔧 বিশাখ নিশীথ বিংশতি দংশন।। লশুন আশ্বিন কিশোর উপন। অনুশয় অঞ অখ্য অশন।। পিশাচ পিশঙ্গ প্রশ্ন বিশ্ব অশ্ম। অবশ্য অশনি রশিম পশু বেশা।। অশেষ বিদোক কশিপু বশতঃ। जालका में "मरधा जनग्रीम **अख्या**।, কেশ বেশ কেশ লেশ বিনাশ হতাগ ।

সংস্থল জকংশ কালী দংশ বংশ পাঁশ।।
প্রবেশ অব্দাল ক্রেশ নিবেশ আকাশ।

দশ যশঃ নিশি নিশা কর্ম প্রকাশ।।

স্থা দিশ আশা গাশি কুল আশু কাশ।
প্রাশ গদশ কর্ম অব্দাশ।।
বিভিন্ন জনিশ বশ গণেশ লোমশ।
নাশ দেশ জনেকশ হংশু অংশ নাশ।

শকার ভেদ।

মুর্জন্য বকারানাতে লিখিত সুস্পর্ট।

ইণী যত মুর্ফি কৈ ঠ অন্তাদন নর্ম।।

বিত্তীয়ণ লীবণ জুনণ বিশেষণ।

পুদ্ধর নিষেধ সুন্ধ গোস্পদ ঘোষণ।।

বিষাদ প্রয়ধ পুন্প ভাষণ জুদ্ধ।

দুষণ দুষ্টান্ত দূনৎ শাস্প উষাকর।।

গবেষিক তৈনী পৌয ভুক্ত পাষাণ।।

কুষাও পাষ্ড নিম্ম ক্ষায় বিষাণ।।

বার্ছবিক মূষিক ক্ষীক অভিষেক।

চষ্ক পোষ্ক ব্যাহ নিষ্কে।।

্ৰীরে তেয়ক মৃধা বিষণি পোষণ। चाए छाषि विमन विमन जिल्ल छात्रभा। বিশিষ্ঠ ভাষির দ্বত বিশুও স্ক্রমা ঐন্ম সর্হা অভিধঙ্গিন বিষম।। নিয়ঞ্জ নিহাৰ ভাষা প্ৰেমা শিষা জীয়। निस्य पृथित। ७७ छेष वर्ष कीया। फेर्लिय करीय वर्ष भ्या अभागित। अमन भूदीम विभ कनूम किनिय।। श्रक्ष भूक्ष पूष पूष अय तृव। ् शीयूष शक्ष्य भृषक सुर्वे, इति । क्वां अट्रांच अन्य द्वांच द्वांच उर्द। क्रम वर्षा (तम ल्यम भाष क्यां कर्ष। क्ष कर्ष राभुवी विस्तृय विष (६५। মহিষ শিরীৰ প্রেষ্ঠ শপ্তাম শেষ। द्धिश हरा निक्या खश्रुम नीर्य सुया। हेयू कां जिना व केशी (याया इटा जागा।

স্কার ভেদ। স্ক্জি সচিদানন্দ সহায় সম্প্রতি। স্মাসক সংক্ষেপ সমাচার স্মতি॥

্সমস্থা সমুদ্র সিদ্ধি সমূহ সুন্দর। ज्ञा न्या जिया गर्न तम तमा न्या। সীতা স্থিত দিত স্রোত গারস্বত গরল। मात्र भाग नक्ष्य नीय महिद मकल।। সভা সভ্, সিক্ত সন্তি বর সচি স্বান্ত। সুধা সাব সের ্মার সর**জ সীমস্ত।** मन जोत राम महाः मश्रमि खण्यम् ॥ चाक् व नमक वर्ग मक्ष्य मनन। সৃণি স্থৃচি হতে সৌরি সহজ্ঞ সমর। मम् महानि स्रोमी ममीह माधून।। সরীমূল সলী সর্প স্থূত সার। সূর সূর্যা সতা। স্বন্ধু সংঘ্য সংসার।। ্সকি সক্ষা স্বাহা সিকু সমীরণ স্থাস 🖯 নাধ্বন সময় সাহা সচিব সমাস।। সাত্র মুত্র দামঞ্জ সীসক সারস।। मञ्जूल मःवाप ऋक् मत्रहे मत्रमः।। मिल रेमक्रव माल मात्रमी मध्र । সুরা স্কা সোমা সামা সাকী সময়র।। সতী সত্য সিংহ সুখ সবিত। সেবক। गांधू मधं जनक ज़क मुक्क गांसक।।

नन्द्रमात रूप कर्न रूप गर। স্থা সাধ স্থর স্থাপ স্থতিকা নদেস্।। বিক্সিত ব্যবস্তি প্রসার কার্নার। প্রসিদর বিশর ধুসর পরিসর 🏗 🖂 প্রদাদ ভাস্তর আকন্মিক বিবিৎসব। खारमत तरू एकत असूत आगर ॥ कुरू य बद्ध था छिन्द्रतहर जनमात । লোসৰ মসুণ বসু মসুর অঞ্সর।। क्षंत्रन जिल्हानन जमावका वानक। 'अनगर्य वाष्ट्रायन तानल अनक।। " িবেসার বসস্ত অনস্থা প্রবাস। কিসলয় পরাসর বাসর উল্লোস।। ুরুচ বুৰুৎস্থ কোম্বয় আস ব্ৰাস হাস। अशेष विवास मान क्रक्साय जाता। তমিত্র সত্তা মৃৎরা হয় আখা হাভা। প্রশন্ত বাসর ক্রম জ্যোৎয়া ডল্মোপাক रीज्यम मितम यम महाबीक स्थम। गःरक्तरंभ दर्भिक जनातामि भना रखन शैक अर्थेम श्रीताक्ष्मः।